लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

14 नवम्बर 2026 शनिवार
वर्ष : 20 अंक: 130
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

हिन्दी दैनिक

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खिलाड़ियों को प्रदान किए राष्ट्रीय खेल पुरस्कार, खेल प्रतिभाओं का सम्मान

एजेंसी,नयी दिल्ली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह में डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर, ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख और विदित गुजराती सहित 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया। इस बार किसी भी खिलाड़ी को खेल रत्न पुरस्कार के लिए नहीं चुना गया था। लगभग 36 मिनट तक चले इस समारोह में युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया और खेल सचिव हरि रंजन राव सहित अन्य लोग उपस्थित थे। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिशों के पुनर्मूल्यांकन के बाद 17 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं का चयन किया गया था। इससे पहले 2014 में किसी खिलाड़ी को खेल रत्न पुरस्कार नहीं दिया गया था। विश्व कप विजेता



शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख, तेजस्विन और महिला युगल बैडमिंटन खिलाड़ी गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली उन 17 खिलाड़ियों में शामिल थीं, जिन्हें अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। गुजराती, देशमुख, ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल और युवा बधिर राइफल निशानेबाज धनुष श्रीकांत समारोह में उपस्थित खिलाड़ियों में शामिल थे। बीस वर्षीय देशमुख विश्व कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। गुजराती 2024 शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। तेजस्विन ने 2023 के एशियाई खेलों में डेकाथलॉन में ऐतिहासिक रजत पदक जीता था और पिछले साल एशियाई चौंपियनशिप में भी दूसरा स्थान हासिल किया था। घुटने की समस्या से जूझने के बावजूद उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतकर कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने आइची–नागोया में एशियाई खेलों में भी कांस्य पदक जीता था। वह उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने पुरस्कारों की घोषणा में देरी की आलोचना करते हुए इसे खिलाड़ियों का अनादर बताया था। वर्ष 2024 में रिकॉर्ड 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, जिनमें से 17 पैरा खेलों से थे। इस बार पैरा खेलों से केवल दो नाम ही अंतिम सूची में शामिल थे।

अर्जुन पुरस्कार : तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), प्रियंका गोस्वामी (एथलेटिक्स), नरेंद्र (मुक्केबाजी), विदित गुजराती (शतरंज), दिव्या देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (बधिर निशानेबाजी), राजकुमार पाल (हकी), सुरजीत (कबड्डी), रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा निशानेबाजी), एकता भ्यान (पैरा एथलेटिक्स), अरविंद सिंह (रोइंग), अखिल श्योराण (निशानेबाजी), त्रीसा जली (बैडमिंटन), गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), लालरेम्सियामी (हकी), मुहम्मद अजमल (एथलेटिक्स), पूजा (कबड्डी)। अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) : आई अरुमैनायगम (फुटबल) द्रोणाचार्य पुरस्कार: परवीर सिंह, छोटे लाल यादव, नेहा चव्हाण द्रोणाचार्य पुरस्कार (लाइफटाइम) धर्मेंद्र यादव, वीरेंद्र कुमार।

दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अमृतपाल सिंह को मिली एक दिन की अंतरिम जमानत





एजेंसी,अमृतसर । खडूर साहिब से सांसद और जेल में बंद अमृतपाल सिंह को अपनी दादी के अंतिम संस्कार और अन्य अंतिम रस्मों में शामिल होने के लिए एक दिन की अंतरिम जमानत दी गई है। उनकी दादी माता चरण कौर (84) का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। अमृतपाल सिंह की दादी के निधन के बाद परिवार ने उन्हें अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति दिलाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। परिवार और उनकी कानूनी टीम की ओर से अमृतसर जिला एवं सत्र न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने अमृतपाल सिंह को एक दिन की अंतरिम जमानत दे दी। इस दौरान वह अपनी दादी के अंतिम संस्कार और उनसे जुड़ी अंतिम रस्मों में शामिल हो सकेंगे। माता चरण कौर के निधन के बाद परिवार की ओर से उनकी अस्थायी रिहाई की मांग की गई थी।

यह न सोचें कि अगला चुनाव कैसे जीतें, बल्कि सोचें कि अगली पीढ़ी का भविष्य कैसे बेहतर हो : राजनाथ

एजेंसी,नयी दिल्ली। हमारे लिए विकसित भारत का अर्थ केवल पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था नहीं है। वह इसका एक महत्वपूर्ण घटक अवश्य है, लेकिन विकसित भारत का हमारा सपना इससे कहीं व्यापक है। यह बात शुक्रवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कही। राजनाथ सिंह ने कहा, "हम अपने निर्णयों में केवल यह न देखें कि इससे हमें कितना राजनीतिक लाभ मिलेगा बल्कि यह भी देखें कि इससे समाज को कितना लाभ होगा। हम यह न सोचें कि अगला चुनाव कैसे जीता जाएगा बल्कि यह सोचें कि अगली पीढ़ी का भविष्य कैसे बेहतर बनाया जाएगा। राज–काज को नीति और नैतिकता के माध्यम से संचालित करना ही राजनीति का वास्तविक भाव है। राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य को दिशा देने का माध्यम है।" रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को ब्रह्माकुमारीज की स्थापना



के 90 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे लिए विकसित भारत का अर्थ है, ऐसा भारत जहां नागरिक ईमानदार हों, परिवारों में संस्कार हों, समाज में सद्भाव हो, महिलाओं का सम्मान हो, युवाओं में अनुशासन हो और हर व्यक्ति के मन में राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का भाव हो। यहां उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक विकास केवल व्यक्तिगत मुक्ति का मार्ग नहीं है। यह राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण का मार्ग भी है। आज आवश्यकता इस बात की है, कि हम, हमारी शिक्षा, हमारा मन, हमारे वचन, हमारे कर्म, हमारा समाज, यहाँ तक कि हमारी राजनीति भी, अध्यात्म से जुड़े और बेहतर समाज और विश्व का मार्ग प्रशस्त करे।

रक्षामंत्री का कहना है कि यदि राजनीति में केवल प्रतिस्पर्धा, आरोप–प्रत्यारोप और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा दिखाई देगी, तो युवा उससे दूरी बनाएंगे।

पीएम ने बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का किया शुभारंभ, शिवकुमार के साथ मेट्रो में की यात्रा

एजेंसी,बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु में मेट्रो रेल परियोजना की बहुप्रतीक्षित पिंक लाइन के कलेना अग्रहारा से तवरेकेरे खंड का उद्घाटन किया, जिसके निर्माण पर करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत आई है। प्रधानमंत्री मोदी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने संयुक्त रूप से नई मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाई और ट्रेन में सफर भी किया।

मोदी और शिवकुमार को टिकट काउंटर से अलग–अलग टिकट खरीदते हुए भी देखा गया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को दोहरे एलिवेटेड कॉरिडोर के फायदों के बारे में बताया। इस कॉरिडोर में मेट्रो रेल लाइन के साथ–साथ फ्लाईओवर भी बनाया गया है, जिससे शहर में यातायात की भीड़ कम करने में मदद मिलेगी। राज्यपाल



सुधा यादव, सांसद तेजस्वी सूर्या और मंत्री के बी गौड़ा ने भी मेट्रो ट्रेन में सफर किया। पिंक लाइन की कुल लंबाई 21.25 किलोमीटर है और इस पर 18 स्टेशन हैं। प्रधानमंत्री ने जिस एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन किया, उस पर छह स्टेशन हैं। वहीं, भूमिगत खंड में 12 स्टेशन होंगे, जिसका निर्माण कार्य अभी जारी है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कलेना अग्रहारा से तवरेकेरे तक पिंक लाइन परियोजना का निर्माण करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इस नए खंड से शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच संपर्क बेहतर होगा, रोजाना आवागमन आसान होगा, यात्रा का समय घटेगा और बेंगलुरु में सार्वजनिक परिवहन सुविधाएं मजबूत होंगी।

शंकर सेठ के तीनों होटलों समेत कई ठिकानों पर की कार्रवाई

संवाददाता,मथुरा। मथुरा वृंदावन में शुक्रवार को आयकर विभाग के 48 गाड़ियों के काफिले ने दस्तक देकर पूरे व्यापारिक और होटल जगत में हड़कंप मचा दिया। गाजियाबाद से पहुंची विभाग की अलग–अलग टीमों ने सुबह करीब पांच बजे एक साथ कई बड़े ठिकानों पर धावा बोला। इस बड़ी कार्रवाई के केंद्र में वृंदावन स्थित रेडिसन होटल और धोलीप्याऊ पर स्थित चर्चित कारोबारी शंकर सेठ के तीनों गुरुकृपा होटल शामिल रहे। इस कार्रवाई से शहर के कारोबारी में खलबली मची रही। आयकर विभाग कि कार्रवाई को बेहद गोपनीय रखा गया था। तड़के करीब 5 बजे चार दर्जन गाड़ियों के काफिले के साथ गाजियाबाद से अधिकारियों की टीम में मथुरा पहुंची। इसके बाद अलग–अलग टीमों में बटकर अधिकारियों ने वृंदावन के रेडिसन होटल और मथुरा के धौली प्याऊ स्थित शंकर सेठ के तीनों गुरु कृपा होटलों समेत



कई अन्य ठिकानों पर एक साथ सर्वे शुरू कर दिया। टीमों ने प्रतिष्ठान के अंदर पहुंचते ही कारोबारी रिकॉर्ड, बही खातों, कंप्यूटर डाटा और वित्तीय लेनदेन से जुड़े दस्तावेजों को अपने कब्जे में लेकर गहन जांच शुरू कर दी।

पुलिस वाहन को ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर

एजेंसी,भुवनेश्वर। ओडिशा के भद्रक जिले में शुक्रवार तड़के एक ट्रक की पुलिस वाहन से टक्कर हो जाने से दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हादसा रात करीब 12 बजकर 30 मिनट पर नाइकानिडीही पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में बासुदेवपुर इलाके के बीरस छक के पास हुआ। लौह अयस्क से लदे एक ट्रक ने पुलिस वाहन को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि एक पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घायलों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पुलिसकर्मी पुरी से एक मामले की जांच के लिए धामरा इलाके में गए थे और वहां से लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

संसद के विशेष सत्र पर विपक्ष को नहीं मिली सूचना परिसीमन विधेयक को लेकर बोलीं प्रियंका

एजेंसी,वायनाड । कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को कहा कि प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की केंद्र सरकार की किसी योजना के बारे में विपक्षी दलों को जानकारी नहीं दी गई है। प्रियंका बुधवार से शुरू हुए अपने चार दिवसीय दौरे के तहत अपने निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले रही हैं। संसद का विशेष सत्र बुलाकर प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर चर्चा किए जाने की योजना संबंधी खबरों के बारे में संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, सरकार ने हममें से किसी को इसकी सूचना नहीं दी है। इसलिए, यदि वे इसकी योजना बना



> सरकार के खिलाफ असहमति जताने वाले लोगों की आवाज दबाई जा रही है। जो कोई भी अपनी बात रखना चाहता है या खुद को व्यक्त करना चाहता है, उसे दबा दिया जाता है और चुप करा दिया जाता है। हमने पिछले कुछ महीनों में ऐसा होते देखा है।
>
> *प्रियंका गांधी, कांग्रेस सांसद*

रहे हैं तो मुझे नहीं पता। फिलहाल मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष के प्रदर्शन के बारे में प्रियंका ने आरोप लगाया कि असहमति जताने वाले लोगों की आवाज दबाई जा रही है। उन्होंने कहा, जो भी कुछ कहना चाहता है या अपनी बात रखना चाहता है, उसे दबा दिया जाता है और बोलने से रोक दिया जाता है। हमने पिछले कुछ महीनों में लगातार ऐसा होते देखा है। उन्होंने आरोप लगाया, हम संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं।



गर्लफ्रेंड के बॉयफ्रेंड ने 58 साल के टीचर की हत्या की ब्लैकबोर्ड पर लिखा-रेपिस्ट

आगरा,संवाददाता। आगरा में टीचर की हत्या कोचिंग में पहले पढ़ने वाली छात्रा के बॉयफ्रेंड ने की थी। गर्लफ्रेंड को टीचर के साथ पिज्जा खाते देखने के बाद उसे ब्लैकमेलिंग का शक हुआ। इसी बात को लेकर बॉयफ्रेंड टीचर से बातचीत करने पहुंचा, जहां दोनों के बीच झगड़ा हो गया। आरोप है कि टीचर ने निखिल (22) के साथ मारपीट की, जिससे वह गुस्से में आ गया। इसके बाद उसने मटन काटने वाले चाकू से टीचर पर ताबड़तोड़ वार किए। फिर गला रेतकर उनकी हत्या कर दी। बॉयफ्रेंड ने टीचर की हत्या के बाद कोचिंग के बोर्ड पर मार्कर से लिखा– 'ओपी यादव रेपिस्ट'। इसके बाद टीचर का मोबाइल और स्कूटी लेकर फरार हो गया। वारदात के 4 दिन बाद कोचिंग के बेसमेंट में टीचर ओमप्रकाश यादव (58) का शव मिला था। उनके शरीर पर गहरे जख्म थे। गला कटा था। पुलिस ने टीचर की कॉल डिटेल खंगाली तो पता चला कि एक मोबाइल नंबर पर उनकी लगातार बात



होती थी। जांच में पता चला कि यह नंबर पूर्व छात्रा का था। टीचर के मर्डर केस में पुलिस ने पहले छात्रा को भी आरोपी बनाया था, लेकिन बाद में छात्रा की कोई भूमिका नहीं पाई गई। घटना जगदीशपुरा थाना क्षेत्र की है। टीचर ओमप्रकाश यादव मूलरूप से कानपुर देहात के रसूलाबाद क्षेत्र के कठिका गांव के रहने वाले थे। वह 30 साल से आगरा में रहते थे। उनकी शादी नहीं हुई थी।

उन्होंने आवास विकास कालोनी में अपना घर बना रखा था। वह सेक्टर–7 स्थित शिवालिक कैंब्रिज स्कूल में पढ़ाते थे। साथ ही सेक्टर–3 के वीएस प्लाजा में कोचिंग खोल रखी थी । ओमप्रकाश 2 नवंबर को कोचिंग में पढ़ाने पहुंचे, लेकिन घर नहीं लौटे। 6 नवंबर को कोचिंग से तेज दुर्गंध आने पर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद जगदीशपुरा थाने की पुलिस बीएस प्लाजा पहुंची। कोचिंग सेंटर का दरवाजा खोला तो अंदर टीचर का शव क्षत–विक्षत हालत में मिला। आसपास काफी खून फैला था, जो सूख चुका था। कोचिंग के बोर्ड पर मार्कर से 'ओपी यादव रेपिस्ट' लिखा मिला। टीचर की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में टीचर के शरीर पर चोट के 9 निशान मिले। इनमें 7 धारदार हथियार के थे। पुलिस की जांच में टीचर का मोबाइल और स्कूटी गायब मिली। इसके बाद टीचर की कॉल डिटेल खंगालने पर कोचिंग में पहले पढ़ चुकी छात्रा (21) का नाम सामने आया। पुलिस पूछताछ में छात्रा ने बताया कि अपने प्रेमी का नाम निखिल बताया। उसने कहा कि मेरा निखिल के साथ 11 महीने से अफेयर है। उसे शक था कि टीचर मुझे ब्लैकमेल करते थे। निखिल ने एक बार मुझे टीचर के साथ पिज्जा खाते हुए भी देखा था। इसी के बाद से वह गुस्से में था। पुलिस ने बॉयफ्रेंड निखिल को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी निखिल ने बताया 2 नवंबर को चाकू लेकर टीचर से मिलने कोचिंग गया था। मैंने टीचर को समझाया और कहा कि मेरी गर्लफ्रेंड को परेशान न करें।

विकास कार्यों की शिकायत पर रंजिश का आरोप, एक ही प्रधान पक्ष पर धमकी देने और घर में आग लगाने के गंभीर आरोप

संवाददाता

उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के पिड़ना गांव में ग्राम प्रधान के खिलाफ विकास कार्यों में कथित धांधली की शिकायत करने वाले दो ग्रामीणों ने अलग–अलग घटनाओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। एक ग्रामीण ने घर में घुसकर गाली–गलौज, जान से मारने की धमकी देने और असलहा लहराने का आरोप लगाया है, जबकि दूसरे ग्रामीण ने रंजिश के चलते घर में आग लगाकर जान से मारने की कोशिश किए जाने का आरोप लगाया है। दोनों मामलों में पीड़ितों ने जिलाधिकारी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। बता दे कि पहले मामले में गांव निवासी अमरेन्द्र प्रताप सिंह का आरोप है कि उन्होंने ग्राम प्रधान के खिलाफ विकास कार्यों में अनियमितताओं की शिकायत उच्च अधिकारियों से की थी। इसी बात को लेकर 11 नवंबर



की शाम कुछ लोग उनके घर पहुंचे और गाली–गलौज करने लगे। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए असलहा लहराने का आरोप लगाया गया है। वहीं दूसरे मामले में बृजनन्दन सिंह ने शिकायती पत्र में बताया कि 10 नवंबर की रात करीब 12 बजे वह घर में सो रहे थे। इसी दौरान उनके घर में आग लग गई। पीड़ित का आरोप है कि ग्राम प्रधान पक्ष के लोगों ने रंजिश के चलते उन्हें जान से मारने की नीयत से आग लगाई। आग से वह किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकले, लेकिन घर और उसमें रखा गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। दोनों पीड़ितों ने स्थानीय थाने में शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया है। अब जिलाधिकारी से दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच कराकर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं आग से हुए नुकसान के लिए पीड़ित ने आर्थिक मुआवजे की भी गुहार लगाई है।

नीलगाय की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार घायल

अमेठी,संवाददाता। शुक्रवार को संग्रामपुर थाना क्षेत्र के सैठा–लोहिया नगर मार्ग पर नीलगाय की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार 40 वर्षीय बृजेश द्विवेदी घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर ले जाया गया। बृजेश द्विवेदी, माता प्रसाद द्विवेदी के बेटे हैं और प्रतापगढ़ के सदर थाना क्षेत्र के कादीपुर के निवासी हैं। केंद्र प्रभारी डॉ. संतोष सिंह की देखरेख में उनका प्राथमिक उपचार किया गया। बृजेश ने बताया कि वे कादीपुर से मोटरसाइकिल पर सैठा–लोहिया नगर मार्ग होते हुए विशेषरगंज गए थे। घर लौटते समय सोनारी कनू मोड़ के पास सड़क पार कर रही नीलगाय उनकी मोटरसाइकिल से टकरा गई। टक्कर से मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई और बृजेश को चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया।

फार्मेसिस्टों ने 18 मांगों को लेकर धरना दिया

आगरा,संवाददाता। डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के आह्वान पर शुक्रवार को आगरा में फार्मेसिस्टों ने 18 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना–प्रदर्शन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को ज्ञापन सौंपा। सीएमओ ने संघ के पदाधिकारियों को बताया कि मांगपत्र और ज्ञापन पत्र के जरिए समय से मुख्यमंत्री तक पहुंचा दिया जाएगा। धरने में जनपद शाखा आगरा के प्रभारी अधिकारी फार्मेसी, चीफ फार्मेसिस्ट और फार्मेसिस्ट शामिल हुए। प्रांतीय महामंत्री रवींद्र सिंह राना, जिला मंत्री और जिला अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने 18 मांगों की जानकारी दी। संरक्षक वीरेंद्र वार्ष्णेय ने फार्मेसिस्टों से एकजुट रहने और शासन व महानिदेशालय के रवैये के खिलाफ संघर्ष जारी रखने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन राजीव उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, और प्रवीण मिश्रा, कोषाध्यक्ष डीपीए आगरा ने किया।

इस मौके पर सुभाष बघेल, राजेश बघेल, अनिल कुशवाहा, ऋषि शर्मा, राकेश सुमन, दिलीप कुमार सक्सेना, संतोष कुशवाहा, मनोज शर्मा, जीएस लोहिया, संजय वर्मा, यशपाल सिंह, अजय शर्मा, दीपेंद्र वर्मा, गजेंद्र पाराशर, गौरव देव त्यागी, नवीन तिवारी, सुशील शर्मा, शैलेंद्र वर्मा, नीलू यादव, महेश गुप्ता, संदीप शर्मा, सत्येंद्र शर्मा, अब्दुल अलीम कुरैशी, संजीव तिवारी, अतुल मिश्रा, राकेश बघेल, योगेंद्र पाल, मनोज पचौरी, जैनेंद्र पाल, विमल शर्मा, सौरभ शुक्ला और दीपक यादव सहित कई फार्मेसिस्ट मौजूद रहे।

साधन सहकारी समिति में किसानों को यूरिया बांटी गई

बांदा,संवाददाता। जिले के जसपुरा ब्लॉक की रामपुर ग्राम पंचायत स्थित साधन सहकारी समिति में किसानों को यूरिया बांटी गई। किसानों ने वितरण व्यवस्था पर संतुष्टि जताई और डीएपी की जल्द आपूर्ति की मांग की। किसानों के मुताबिक, समिति के सचिव और कर्मचारी तय सरकारी दर पर व्यवस्थित तरीके से यूरिया दे रहे हैं।

लंबे समय से पार्टी से जुड़े भाजपा बूथ अध्यक्ष का निधन

बांदा,संवाददाता। चंदवारा निवासी भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता और बूथ अध्यक्ष कुंवरपाल सिंह का निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन से भाजपा संगठन और स्थानीय कार्यकर्ताओं में दुख का माहौल है। परिवार के सदस्यों, परिचितों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके निधन पर शोक जताया। कुंवरपाल सिंह लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए थे। उन्होंने पार्टी में बूथ अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार काम किया।

बुजुर्ग की हत्या के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

अमेठी,संवाददाता। जिले में जमीनी विवाद में 54 साल के कन्हैयालाल वर्मा की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल एक बाल अपचारी को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल डंडे, लकड़ी की थूनी और ईंट के टुकड़े बरामद किए हैं। मंगलवार सुबह कन्हैयालाल वर्मा की लाठी–डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई थी। हमले में उनका बेटा संतोष वर्मा भी घायल हुआ था। उसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि कन्हैयालाल से खेत और रास्ते पर कब्जे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में मंगलवार को उन्होंने कन्हैयालाल को लाठी, थूनी और ईंट से पीटा था।

हमले में उनके बेटे संतोष को भी चोटें आई थीं। अमेठी पुलिस ने ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत मुखबिर की सूचना पर अभय शुक्ला उर्फ अतुल (23), अभिषेक शुक्ला उर्फ विपुल शुक्ला (23) और महेन्द्र कुमार शुक्ला उर्फ पप्पू (42) को गिरफ्तार किया है। तीनों संजय कुमार शुक्ला और शिव कुमार शुक्ला के बेटे हैं। वे ग्राम राजू का पुरवा, मजरे नरैनी, थाना और जिला अमेठी के रहने वाले हैं। घटना में शामिल एक बाल अपचारी को भी पुलिस निगरानी में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर उनके घर से एक बांस का डंडा, लकड़ी की एक थूनी, टूटी हुई बल्ली का एक टुकड़ा और ईंट के तीन टुकड़े बरामद किए हैं। पुलिस आरोपियों को जेल भेजने की कार्रवाई कर रही है।

हादसे के चौथे दिन मिला लापता नाव संचालक का शव

आगरा,संवाददाता। फतेहाबाद के पारौली घाट पर यमुना नदी में हुए नाव हादसे के चौथे दिन शुक्रवार सुबह लापता नाव संचालक मोनू का शव मिल गया। शव भोलपुरा जनेश्वर घाट के सामने नदी के दूसरे किनारे पर मिला। मोनू बटेश्वरी का बेटा और पारौली का निवासी था। शव मिलने की सूचना पर पुलिस और परिजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके साथ ही चार दिन से चल रहा तलाश अभियान भी बंद कर दिया गया। मंगलवार शाम पारौली घाट पर अवैध रूप से संचालित नाव अचानक अनियंत्रित होकर यमुना की तेज धारा में बहने लगी थी। नाव में तीन से चार मोटरसाइकिलों के साथ करीब 12 लोग सवार थे। इसी दौरान नाव का संतुलन बिगड़ने पर संचालक मोनू नदी में गिर गया और तेज बहाव में लापता हो गया। हादसे के बाद नाव कई किलोमीटर दूर फिरोजाबाद क्षेत्र तक बहकर पहुंच गई थी।

वहां नाव में सवार सभी 12 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया था। हादसे के बाद से ही पुलिस और पीएसी के गोताखोर यमुना नदी में मोनू की तलाश कर रहे थे। नदी के तेज बहाव और बड़े क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। शुक्रवार सुबह नदी के दूसरे किनारे पर उसका शव मिलने के बाद अभियान बंद कर दिया गया। फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है ।

सपा का बड़ा दलित सम्मेलन, एक लाख लोगों के जुटने की तैयारी

आगरा,संवाददाता। आगरा के जीआईसी ग्राउंड में दो दिन बाद रविवार को सपा का दलित सम्मेलन होने जा रहा है। जिसके चलते तैयारियां तेज हो गई हैं और उन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। बाइक रैली के माध्यम से लोगों को आमंत्रण दिया जा रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की जा रही है। एमजी रोड सहित अन्य सड़कों को दलित सम्मेलन के बैनरों से पाट दिया गया है। कार्यक्रम को लेकर सपा कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। जिस मंच से अखिलेश यादव सम्मेलन को संबोधित करेंगे, उस मंच को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सपा कार्यकर्ता आयोजन को सफल बनाने के लिए दिन–रात एक करने में जुटे हैं। कार्यक्रम में 1 लाख से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए खाने–पीने की भी व्यवस्था की गई है। सभी कार्यकर्ताओं को अलग–अलग जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी इसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दलित समाज के बीच अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने के बड़े आयोजन के रूप में देख रही है। सम्मेलन में पश्चिमी यूपी के अलग–अलग जिलों से दलित समाज के लोगों के जुटने की तैयारी है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन इस सम्मेलन की तैयारियों में जुटे हैं। उनके मुताबिक, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा कर दलित समाज के लोगों को सम्मेलन में आने का न्योता दिया गया है।

तमंचा और कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

अमेठी,संवाददाता।

जगदीशपुर पुलिस ने शुक्रवार, 13 नवंबर को चेकिंग के दौरान महताब (40) को तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। वह पूरे घासी मजरे कचनाव का रहने वाला है। उसके पिता का नाम रियाज अहमद है। पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध लोगों और वाहनों की चेकिंग के दौरान महताब को पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास से एक तमंचा और .315 बोर का एक जिंदा कारतूस मिला। पुलिस ने जगदीशपुर थाने में उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3ध्25 के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। पुलिस के अनुसार, महताब के खिलाफ अमेठी और गोंडा के अलग–अलग थानों में सात मुकदमे दर्ज हैं। इनमें आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, गोवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और हत्या के प्रयास के मामले शामिल हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शेख नईम, कांस्टेबल संजय कुमार और अवनीश कुमार शामिल थे।

बिजली विभाग की टीम ने बिल नहीं भरने पर ८ कनेक्शन कटे

आगरा,संवाददाता। नगला इमली गांव में बिजली विभाग की टीम ने आज चेकिंग अभियान चलाया। बिल जमा नहीं करने पर 8 उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काट दिए गए। टीम ने 10 हजार रुपए भी वसूले। टीम ने उपभोक्ताओं के बिजली मीटर जांचे और समय पर बिल जमा करने की हिदायत दी। उन्हें बताया कि बिल जमा नहीं करने पर कनेक्शन काटे जा सकते हैं। अभियान में लाइनमैन संजू यादव, मजबूत सिंह, राजकुमार और राजेश शुक्ला समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त....

मड़ई की आग से भैंस झुलसी

बस्ती,संवाददाता। पैकोलिया थाना क्षेत्र के रामापुर गांव में गुरुवार रात करीब 12 बजे मड़ई में आग लग गई। उसमें बंधी भैंस गंभीर रूप से झुलस गई। चारपाई, कपड़े और अन्य सामान भी जल गया। गांव के रमेश राजभर पुत्र बलई राजभर ने मड़ई में भैंस बांध रखी थी। परिवार के लोग पास के घर में सो रहे थे। आग लगने का कारण पता नहीं चला है। आग की लपटें देखकर परिवार के लोग जागे और शोर मचाया। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने भैंस को बाहर निकाला और आग बुझाई। तब तक भैंस गंभीर रूप से झुलस चुकी थी। रामापुर गांव के अखिलेश सिंह उर्फ मंटू सिंह ने घटना की सूचना हल्का लेखपाल सुधीर कुमार को दी। झुलसी भैंस के इलाज के लिए पशु चिकित्सक को बुलाया गया है।

छठ पूजा से पहले प्रमुख घाटों का निरीक्षण

बस्ती,संवाददाता। जिले के मखौड़ा धाम में छठ पूजा से पहले परशुरामपुर पुलिस ने शुक्रवार को प्रमुख घाटों का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ पहुंचे। पुलिस टीम ने मखौड़ा धाम, धुरदा, बनगवां खास और कुशमौर समेत थाना क्षेत्र के कई घाटों पर साफ–सफाई, रोशनी, बैरिकेडिंग, गोताखोरों की उपलब्धता और महिलाओं की सुरक्षा के इंतजाम देखे। पुलिस ने ग्राम प्रधानों और पूजा समितियों के पदाधिकारियों को छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जरूरी निर्देश दिए। थानाध्यक्ष ने बताया कि पर्व के दौरान घाटों पर पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मियों और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी। गोताखोरों की टीम भी अलर्ट रहेगी। पुलिस ने लोगों से गहरे पानी में न जाने, बच्चों पर ध्यान रखने और घाटों पर सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की।

सपा ने नानपारा में बूथ कमेटियां बनाने पर चर्चा

बहराइच,संवाददाता। जिले के शिवपुर ब्लॉक में समाजवादी पार्टी ने बूथ कमेटियों के गठन को लेकर बैठक की। इसमें संगठन को मजबूत करने और बूथ स्तर पर पार्टी की सक्रियता बढ़ाने पर चर्चा हुई। बैठक जिला अध्यक्ष रामहर्ष यादव के आवास, ग्राम ललई पुरवा में हुई। यह 283 विधानसभा क्षेत्र नानपारा के तहत आता है। पार्टी के महामंत्री कृपाराम यादव एडवोकेट, विधानसभा अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद सोनी और नानपारा से प्रबल दावेदार इंजीनियर राकेश सोनकर बैठक में मौजूद रहे। गोविंद निषाद, राजेश चौधरी, जयकार सिंह, संतोष वर्मा, संहिता और प्रवीण समेत पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी शामिल हुए। बैठक में शिवपुर ब्लॉक की बूथ कमेटियां बनाने पर चर्चा हुई।

आत्महत्या मामले में पिता ने गिरफ्तारी की मांग की

बांदा,संवाददाता। ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या करने वाले युवक के मामले में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। युवक के पिता ने शुक्रवार दोपहर 1 बजे पुलिस अधीक्षक से मिलकर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। उन्होंने जांच दूसरे विवेचक से कराने की भी मांग रखी है। फतेहगंज थाना क्षेत्र के करमाडाडी गांव के रमेश कुमार सविता ने बताया कि उनके बेटे आशीष सेन ने 16 अक्टूबर को ट्रेन के सामने छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली थी। युवक की मौत के बाद एक सुसाइड नोट भी मिला था। रमेश कुमार का आरोप है कि कुछ लोग उनके बेटे से चार लाख रुपए मांग रहे थे। रुपए नहीं देने पर एससी–एसटी के मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जा रही थी। उन्होंने कुछ पुलिसकर्मियों पर फोन कर धमकाने और रुपए मांगने का भी आरोप लगाया। पिता के मुताबिक, लगातार मिल रही धमकियों और दबाव से परेशान होकर उनके बेटे ने आत्महत्या की। इस मामले में फतेहगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

पिता का आरोप है कि मुकदमे में नामजद आरोपियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया। उन्होंने पुलिसकर्मियों की संलिप्तता का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके नाम भी प्राथमिकी में शामिल नहीं किए गए। रमेश कुमार ने एसपी को दिए आवेदन में आरोप लगाया कि मुकदमे में समझौता नहीं करने पर आरोपी उनके परिवार को झूठे मुकदमे में फंसाने और गोली मारने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने निष्पक्ष जांच के लिए दूसरे सक्षम विवेचक से जांच कराने और नामजद आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की।

25 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

बस्ती,संवाददाता। जिले में कप्तानगंज पुलिस ने सत्य पैथोलॉजी से अल्ट्रासाउंड मशीन और अन्य उपकरण चोरी के मामले में वांछित 25 हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से चोरी का कैनन कंपनी का प्रिंटर बरामद किया। पुलिस के मुताबिक, कप्तानगंज कस्बे में सत्य पैथोलॉजी का ताला तोड़कर अल्ट्रासाउंड मशीन और अन्य उपकरण चोरी किए गए थे। इस मामले में 23 सितंबर 2026 को कप्तानगंज थाने में मुकदमा अपराध संख्या 257ध 2026 के तहत केस दर्ज किया गया था। हरिओम उर्फ अभय पाण्डेय पर 25 हजार का इनाम घोषित था। शुक्रवार, 13 नवंबर 2026 को पुलिस टीम ने हरिओम को उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके पास से कैनन कंपनी का प्रिंटर मिला, जिसका सीरियल नंबर ज्ञात्क्छ–316919 है। पुलिस ने आरोपी की पहचान हरिओम उर्फ अभय पाण्डेय (20), पुत्र रवीन्द्र प्रसाद पाण्डेय, निवासी पूरे काशीराम, थाना छावनी, जिला बस्ती के रूप में बताई। पुलिस के मुताबिक, उसके खिलाफ बस्ती के छावनी और कप्तानगंज थानों के साथ लखनऊ के चौक थाने में भी केस दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में महाराजगंज चौकी प्रभारी अनिल त्रिपाठी, उपनिरीक्षक रविन्द्र यादव और वीरेन्द्र कुमार सरोज समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

रोजगार सेवकों ने पैरोल के आदेश का विरोध किया

बहराइच,संवाददाता। पयागपुर में ग्राम रोजगार सेवकों ने मानदेय भुगतान से पहले प्रशासक और ग्राम पंचायत सचिव से पैरोल लेने के आदेश का विरोध किया। उन्होंने बीडीओ से आदेश वापस लेने की मांग की है। शुक्रवार को हुई बैठक में रोजगार सेवकों ने कहा कि तीन दिन में आदेश वापस नहीं लिया गया तो 17 नवंबर को ब्लॉक मुख्यालय पर धरना–प्रदर्शन करेंगे। बैठक के बाद उन्होंने ब्लॉक कार्यालय के बाबू राजेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा। ब्लॉक अध्यक्ष रमेश शुक्ला ने कहा कि मानदेय से पहले प्रशासक और ग्राम पंचायत सचिव से पैरोल लेने का आदेश द्वेषपूर्ण है। उन्होंने इसे निरस्त करने की मांग की। ब्लॉक उपाध्यक्ष स्वामी दयाल ने कहा कि रोजगार सेवकों को प्रशासनिक मद से मानदेय मिलता है। इसके भुगतान में कभी छह महीने तो कभी एक साल तक इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में पैरोल की नई व्यवस्था उचित नहीं है। ब्लॉक कोषाध्यक्ष संतोष तिवारी ने कहा कि रोजगार सेवक एनएमएमएस, जियो टैगिंग और प्रधानमंत्री आवास योजना की जियो टैगिंग समेत सभी काम ऑनलाइन करते हैं। उन्होंने कहा कि समय पर मानदेय मिले तो पैरोल लेने पर किसी को आपत्ति नहीं होगी।

सिविल जज के निर्देश पर कोंच कोर्ट के बाहर लगा ट्रांसफार्मर हटा

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन के कोंच में मुंसिफ कोर्ट परिसर के बाहर लगा ट्रांसफार्मर शुक्रवार दोपहर 12 बजे सुरक्षित जगह पर शिफ्ट किया गया। सिविल जज जूनियर डिवीजन सतनाम यादव के निर्देश पर विद्युत विभाग ने यह कार्रवाई की। अधिवक्ता राहुल गुप्ता ने जज सतनाम यादव को पत्र देकर ट्रांसफार्मर से सुरक्षा का खतरा बताया था। भीड़भाड़ वाली पार्किंग के कारण अधिवक्ताओं और कोर्ट आने वाले लोगों को ट्रांसफार्मर के नीचे से गुजरना पड़ता था। ट्रांसफार्मर के तार जमीन से करीब तीन मीटर ऊपर लटक रहे थे। इससे शॉर्ट सर्किट, चिंगारी या बिजली से जुड़ी दुर्घटना की आशंका थी। मामले की जानकारी मिलने पर सतनाम यादव ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। विभाग ने ट्रांसफार्मर को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया। अधिवक्ताओं ने सतनाम यादव का आभार जताया। इस मौके पर बार संघ कोषाध्यक्ष एडवोकेट सुधीर दुबे, दीपक मिश्रा, ब्रजेन्द्र वाजपेयी, राहुल गुप्ता, अर्पित वाजपेयी, गजेंद्र विजय अग्रवाल और संतोष यादव समेत कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

अज्ञात कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

बहराइच,संवाददाता।

लखनऊ– बहराइच मार्ग पर रिठौढ़ा मोड़ के पास गुरुवार देर रात अज्ञात कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। विजय पाल की हालत गंभीर होने पर उन्हें लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। दूसरे युवक का इलाज जारी है। जरवलरोड के ग्राम सपसा निवासी विजय पाल (35), पुत्र अज्ञात, और नानबाबू (20), पुत्र कमल, गुरुवार देर रात बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्तफाबाद ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने विजय पाल की हालत गंभीर देखकर उन्हें लखनऊ ट्रॉमा सेंटर भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किसानों ने गन्ना अधिकारी कार्यालय का घेराव किया, बकाया भुगतान की मांग

बहराइच,संवाददाता। गन्ने का रेट बढ़ाने, खरीद का रेट घोषित करने और पिछला बकाया चुकाने की मांग को लेकर किसानों ने शुक्रवार को लखीमपुर जिले में जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय का घेराव किया। उन्होंने एक दिन का धरना दिया। धरने में भारतीय किसान यूनियन टिकैत की बहराइच इकाई से जुड़े सुजौली इलाके के दो दर्जन से ज्यादा किसान शामिल हुए। उन्होंने लखीमपुर जिले के किसानों के साथ धरना दिया। सुजौली के मटेही गांव के किसान नेता गुरुवंत सिंह ने बताया कि उनके नेतृत्व में इलाके के दो दर्जन से ज्यादा किसान धरने में शामिल हुए। किसानों की तीन मांगें हैंरू गन्ने का रेट बढ़ाया जाए, खरीद का रेट घोषित किया जाए और पिछला बकाया चुकाया जाए। गुरुवंत सिंह ने बताया कि सुजौली इलाके में हिन्दुस्तान खम्बारखेड़ा चीनी मिल के सात गन्ना सेंटर हैं। इनमें चफरिया, सुजौली, बड़खड़िया, चहलवा, कारीकोट, आम्बा और मटेही शामिल हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल एक दिन का धरना दिया गया है। मांगें पूरी नहीं हुईं तो किसान बड़ा आंदोलन करेंगे। धरने में सुजौली इलाके के किसान बलदेव सिंह, गुरविंद्र सिंह, हरविंदर सिंह और मलकीत सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

ज्योतिषों ने राममंदिर जाने का मुहूर्त निकाला : अखिलेश



लखनऊ,संवाददाता। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रामलला के दर्शन के लिए जाने को लेकर कहा पवन पांडेय ने ज्योतिषियों से बात की थी। उन्होंने ग्रह–नक्षत्र देखकर राम मंदिर जाने का मुहूर्त निकाला है। आरोप लगाया कि भाजपा की तैयारी है कि दिल्ली या दूसरी जगह शिफ्ट होने की वजह से जिन लोगों के नाम कट गए हैं, उनकी जगह एमपी, बिहार, उत्तराखंड और दूसरी जगहों से लोगों को लाकर वोट बनवा दिए जाएं। इसकी ट्रेनिंग दे रही। इलेक्शन कमीशन ने बता दिया है कि 4 जनवरी को वोटर लिस्ट आ रही है। अगर भाजपा डरी नहीं है तो 6 जनवरी को चुनाव की तारीख घोषित हो जाएगी। सपा प्रमुख ने शुक्रवार को लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस की। इसके पहले उन्होंने 86 अनारक्षित विधानसभा सीटों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में जिलाध्यक्षों के अलावा संबंधित विधानसभा के अध्यक्ष और दावेदार भी शामिल हुए।

अखिलेश ने कहा कि राम मंदिर जाने की तारीख पार्टी को पवन पांडेय ने बताई है। उन्होंने ज्योतिषियों से बात करके ग्रह–नक्षत्र देखकर यह तारीख तय की है।

छठ पर्व पर सोमवार को सरकारी कार्यालयों में अवकाश घोषित

वाराणसी,संवाददाता। लोक आस्था के महान पर्व छठ पूजा के अवसर पर वाराणसी जनपद में प्रशासनिक स्तर पर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने आगामी 16 नवंबर (दिन सोमवार) को जनपद में स्थानीय अवकाश घोषित कर दिया है। इस संबंध में जिला प्रशासन की ओर से आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह स्थानीय अवकाश मुख्य रूप से माल विभाग (रेवेन्यू डिपार्टमेंट) और उससे जुड़े सरकारी कार्यालयों में प्रभावी रहेगा। जिलाधिकारी के इस आदेश के बाद सोमवार को संबंधित सरकारी दफ्तरों में अवकाश रहेगा, जिससे प्रशासनिक कार्यों में जुटे कर्मचारी भी इस लोक पर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ मना सकें। पूर्वांचल और बिहार में छठ पूजा का पर्व विशेष महत्व रखता है। वाराणसी में भी गंगा घाटों से लेकर शहर के विभिन्न तालाबों और सरोवरों तक महापरिव्रज्या के इस महापर्व पर अगाध आस्था का जनसैलाब उमड़ता है। चार दिवसीय इस अनुष्ठान के दौरान खरना और सूर्य को अर्घ्य देने के लिए व्रती महिलाएं व उनके परिवारक जन घाटों पर पहुंचते हैं। सोमवार को पड़ने वाले इस स्थानीय अवकाश से प्रशासन और सरकारी महकमों से जुड़े लोगों को पर्व की व्यवस्थाओं और तैयारियों में सहूलियत मिलने की उम्मीद है।

गंगा स्नान के साथ छठ महापर्व शुरू, महिलाओं ने सिंदूर लगाकर निभाई परंपरा

वाराणसी,संवाददाता। लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व डाला छठ की शुरुआत शुक्रवार को नहाय–खाय के साथ हुई। इसके पूर्व श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और शाम को लौकी–चावल और चने की दाल ग्रहण कर व्रत का संकल्प लिया। यह पर्व सूर्य देव और छठी मैया की उपासना का प्रतीक है। शनिवार को खरना, रविवार को डूबते सूर्य को प्रथम अर्घ्य और सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ पर्व का समापन होगा। पुत्र, सुख–समृद्धि और आरोग्य की कामना से महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं। घाटों पर सुरक्षा और स्वच्छता के विशेष प्रबंध किए गए हैं। लोक आस्था के महापर्व डाला छठ से पूर्व शुक्रवार को गंगा घाटों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। नगर निगम और नमामि गंगे की ओर से दशाश्वमेध, राजेंद्र प्रसाद और मानमंदिर घाट पर सिल्ट से पॉलिथीन व अन्य कचरे को श्रमदान कर बाहर निकाला गया। श्आस्था तभी सच्ची, जब उसमें स्वच्छता का भाव' के संदेश के साथ श्रद्धालुओं से 'प्लास्टिक मुक्त छठ' मनाने की अपील की गई। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक व नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला ने कहा कि छठ स्वच्छता, पवित्रता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। हम अनजाने में सिंगल यूज पॉलिथीन से गंगा को प्रदूषित कर रहे हैं। इस बार संकल्प लें कि पूजा सामग्री, फल–सब्जी खरीदने घर से कपड़े या जूट का थैला लेकर निकलें। दुकानदार पॉलिथीन दे तो विनम्रता से मना करें। उन्होंने बांस के सूप, दउरा और मिट्टी के दीये के उपयोग को बढ़ावा देने और पूजा के बाद कचरा नदी में न प्रवाहित करने की अपील की। कहा 'पर्यावरण की रक्षा ही छठी मैया की सच्ची सेवा है।' अभियान में सुपरवाइजर कामेश्वर सेठ, रिंकू वर्मा, दिनेश, सुनील, गोपाल सहित अन्य शामिल रहे।

कालिया नाग का घमंड चूर कर श्रीकृष्ण ने काशी में गंगा की लहरों पर छेड़ी बंशी की तान

वाराणसी,संवाददाता। तुलसी घाट पर विश्वप्रसिद्ध नागनथैया लीला के लिए दोपहर से ही गंगा घाट पूरा खचाखच भर चुका था। शाम ठीक 4.40 बजे नदी में गेंद खोजने के लिए कन्हैया ने छलांग लगाई और कुछ ही देर बाद कालिया नाग का मान मर्दन करते हुए फन पर नृत्य करते लोगों को दर्शन दिया तो काशी थी मथुरा वृंदावन और गोकुल नजर आई। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा शुरू की गई यह परंपरा काशी में शुक्रवार को जीवंत हुई। जय कन्हैया लाल की ही नहीं बल्कि हर हर महादेव और जय श्री कृष्ण के नारों से गुंजायमान तुलसी घाट संग काशी और मथुरा का भेद मिट गया। द्वापर युग को जीवंत करने के लिए मां गंगा ने कालिंदी का रूप धर लिया। वहीं बाल श्रीकृष्ण के रूप में श्रेयन शर्मा कुछ ही मिनट में नदी में गेंद ढूंढने के लिए कदंब की डाल से छलांग लगाए तो एक बारगी लोग बेचैन हो उठे। लेकिन कालिया नाग को नाथ कर नाचते हुए बंशी की तान छेड़ते हुए किशन कन्हाई की लीला नजर आई तो काशी मंत्र मुग्ध हो उठी।

ट्रिपल मर्डर आरोपी ऋषभ के दूसरे दिन चाचा-ताऊ के मकान पर भी कार्रवाई

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में ट्रिपल मर्डर के आरोपी ऋषभ शुक्ला के घर पर लगातार दूसरे दिन ध्वस्तीकरण अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार सुबह करीब 10.30 बजे कार्रवाई शुरू हुई। इस दौरान आरोपी ऋषभ, उसके चाचा राजेश और ताऊ गिरीश शुक्ला के घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। वहीं, मृतक शिवाजी तिवारी की पत्नी ऊषा तिवारी और शिवेंद्र तिवारी की बेटी सुमेधा समेत परिवार के अन्य सदस्य अपने घर से बुलडोजर की कार्रवाई देख रहे हैं। इससे पहले 28 अक्टूबर को भी ऋषभ शुक्ला के घर पर बुलडोजर चलाया गया था। उस समय सिर्फ बाउंड्रीवॉल गिराई गई थी। इस पर पीड़ित परिवार और स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई थी। सआदतगंज थाना क्षेत्र में 26 अक्टूबर, 2026 की सुबह ऋषभ शुक्ला का शिवाजी तिवारी के परिवार से चबूतरा बनवाने को लेकर झगड़ा हो गया था। इसके बाद ऋषभ ने शिवाजी, उनके बेटे सुयश और भाई शिवेंद्र तिवारी उर्फ शंभु की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने उसे मौके से ही गिरफ्तार कर लिया था। मौके पर मलबा हटाने का काम जारी है। फिलहाल दो जेसीबी मशीनों की मदद से ध्वस्तीकरण किया जा रहा है। टीम मलबा इकट्ठा कर उसे हटाने में जुटी है। एलडीए और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान ट्रिपल मर्डर के आरोपी ऋषभ शुक्ला के घर से सामान जब्त किया गया। ध्वस्तीकरण अभियान के बीच घर में रखा सामान बाहर निकलवाया गया और उसे कब्जे में लिया गया। मौके पर पुलिस और एलडीए की टीम मौजूद है।



यूपीडा में छह कंपनियों ने फिक्सिंग करके 16 हजार करोड़ की चोरी की : पवन खेड़ा

लखनऊ,संवाददाता। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यूपी की योगी सरकार और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली और लखनऊ के बीच की खींचतान का खामियाजा उत्तर प्रदेश की जनता भुगत रही है। खेड़ा ने कहा यूपी के सीएम ने कहा था कि जो प्रदर्शन करेगा उसे सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। लेकिन खुद ही कुछ घंटे बाद प्रदर्शन करने निकल गए। तो क्या अब उनकी नौकरी जाएगी? उन्होंने कहा कि मोदी–शाह के एसआईआर के खिलाफ बोलने वाले योगी पहले सीएम हैं, और यही दोनों उनके हटने का काम करेंगे। खेड़ा ने आरोप लगाया यूपी में लूटतंत्र है, अधिकारी हावी हैं, इसलिए भ्रष्टाचार चरम पर है। जिन्हें भ्रष्टाचार रोकना है, वो दिल्ली की तरफ देख रहे हैं। कार्टेल के जरिए टेंडर फिक्सिंग का खेल चल रहा है। 16–17 हजार करोड़ की चोरी हुई है। खेड़ा ने कहा "एक बीजेपी का आदमी एक ऐसी कंपनी का मुखिया है। हर आका ने कितना कमाया, ये पूरे प्रदेश में गूंजेगा। झांसी के जौहरी को कितना मिला?" उन्होंने 10,000 करोड़ के ड्रग घोटाले का आरोप लगाते हुए कहा कि 2700 की ड्रग महंगी है, अगर ड्रग्स में इतना है तो सोचिए कितना होगा। खेड़ा ने कहा डिप्टी सीएम जनता से कहते हैं ई–रिक्शा चलाओ, जबकि शाह के बेटे बीसीसीआई चलाते हैं और पाठक के बेटे फॉर्च्यूनर चलाते हैं। उन्होंने कहा कहते हैं माफिया को मिट्टी में मिला दिया, लेकिन खुद कई माफियाओं से मिले हुए हैं। ऐसे माफियाओं के नाम तो बच्चा–बच्चा जानता है। खेड़ा ने कहा कि यूपी सरकार का पीआर बजट दिल्ली के सीएम से भी ज्यादा है। जिस दुकानदार के पास स्टॉक नहीं होता, वो डिस्प्ले और पीआर पर खर्च करता है। अंत में उन्होंने कहा ये लोग मरने के बाद सरदार पटेल को नेहरू से लड़ा सकते हैं, तो भगवान को भी लड़ा देंगे। अगर दिल्ली को संदेश भेजना हो तो वो यूपी के रास्ते जाता है।



२०२७ में बनने जा रही एनडीए की प्रचण्ड बहुमत की सरकार : निषाद

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार के मत्स्य विभाग के मंत्री संजय निषाद नई दिल्ली पहुंचे। उन्होंने देश गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। गृहमंत्री अमित शाह से निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद की मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया गया है। इस अवसर पर संजय निषाद ने कहा कि गृहमंत्री हमारे अभिभावक हैं और उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन हमारे लिए सदैव महत्वपूर्ण है।उन्होंने बताया कि भेंट के दौरान निषाद समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा पार्टी पदाधिकारियों से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई और मांगों से संबंधित पत्र भी सौंपा। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर निषाद पार्टी के भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने तथा जीत की रणनीति एवं समीकरणों पर भी सकारात्मक वार्ता हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश में एनडीए की सरकार प्रचंड बहुमत के साथ बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि जब भी दो नेता मिलते हैं, तो राजनीतिक विषयों पर चर्चा होना स्वाभाविक है।

14 नवंबर तक बंद रहेगा पुणे वाराणसी के बीच विमान संचालन

वाराणसी,संवाददाता। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से स्पाइसजेट के विमान सेवाएं परिचालन संबंधी कारणों से प्रभावित हैं। पुणे और वाराणसी के बीच संचालित होने वाला स्पाइसजेट का उड़ान 14 नवंबर तक बंद रहेगा। वहीं, दिल्ली से वाराणसी आने वाली स्पाइसजेट का विमान संख्या एसजी–9033 भी परिचालन विलंबित रहा। पुणे–वाराणसी के बीच स्पाइसजेट का विमान संख्या एसजी–525 पुणे से दोपहर 3.44 बजे वाराणसी पहुंचा तो वाराणसी से पुणे जाने वाला विमान संख्या एसजी–526 शाम 4.20 बजे उड़ान भरा। इसके अलावा दिल्ली से वाराणसी आने वाली स्पाइसजेट का विमान संख्या एसजी–9033 भी निर्धारित समय से विलंबित रहा। इसके चलते यात्रियों को इंतजार करना पड़ा। स्पाइसजेट के मैनेजर राजेश सिंह का कहना है कि परिचालन संबंधी समस्या को लेकर पुणे–वाराणसी रूट पर 14 नवंबर तक उड़ानों पर रोक लगा दिया गया है।

सहकारी बैंक की मॉडल शाखा का राज्यमंत्री ने किया उद्घाटन

अमेठी,संवाददाता। जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, रायबरेली की तिलोई शाखा मॉडल शाखा के रूप में शुरू हो गई है। फीता काटने और पूजा–अर्चना के बाद शाखा शुरू की गई। बैंक प्रबंधन के मुताबिक, यहां खाताधारकों को डिजिटल बैंकिंग, जल्दी ऋण प्रक्रिया, आसान लेन–देन और कृषि योजनाओं का लाभ एक ही जगह मिलेगा। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख तिलोई मुन्ना सिंह, कुंवर अवनीश प्रताप सिंह, हेमेंद्र प्रताप सिंह, ब्लॉक प्रमुख सिंहपुर अंकित पासी, सज्जन अवस्थी, आशीष मिश्रा, राजेश पांडे, वीरेंद्र तिवारी, सुरेश सिंह, अरुण सिंह, भास्कर सिंह और बबलू मिश्रा सहित क्षेत्र के नागरिक और किसान मौजूद रहे।

सरहद के वीरों का सम्मान,योगी सरकार पूरे करेगी परिवारों के अरमान

लखनऊ,संवाददाता। सरहद की रक्षा करते हुए दुश्मनों के मंसूबों को नाकाम करने वाले वीर सैनिकों के सम्मान और उनके परिवारों के कल्याण के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध है। 14 नवंबर को मेरठ के कुलवंत सिंह स्टेडियम में पूर्व सैनिक रैली होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में होने वाली रैली में 2500 से 3000 पूर्व सैनिक, वीर नारियां और दिवंगत सैनिकों की पत्नियां शामिल होंगी। यह आयोजन न केवल देश की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सैनिकों के शौर्य और बलिदान को सम्मान देने का अवसर बनेगा, बल्कि पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों से जुड़ी समस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच भी बनेगा। रैली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ भारतीय सेना की मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग– इन–चीफ लेफ्टिनेंट जनरल संजय मित्रा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

दोनों की मौजूदगी प्रदेश सरकार और भारतीय सेना की ओर से पूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के सम्मान और कल्याण के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाएगी। इस आयोजन के माध्यम से राष्ट्र की सुरक्षा में पूर्व सैनिकों के अतुलनीय योगदान को याद करने के साथ उनके प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त की जाएगी।रैली का प्रमुख उद्देश्य पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और दिवंगत सैनिकों के परिवारों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक समर्पित मंच उपलब्ध कराना है।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह की सगाई आज, 100 बीघा में सजा पंडाल

- नीदरलैंड के महकेंगे फूल, मेन्यू बाबूजी की पसंद का
- २६ को विवाह, २७



लखनऊ,संवाददाता। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के कुनबे में शहनाई बजने वाली है। हाईप्रोफाइल आयोजन का 100 बीघामें पंडाल रामघाट रोड स्थित तालानगरी अलीगढ़ में संत फिदेलिस स्कूल के पास मैदान में आकार ले चुका है। करीब 100 बीघा क्षेत्रफल में वॉटरप्रूफ जर्मन हैंगर पंडाल तैयार है। वैवाहिक कार्यक्रम के लिए बड़े भूभाग को अस्थायी नगर का रूप दिया गया है। इस उत्सव में शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के छोटे भाई सौरभ सिंह की भी रिंग सेरेमनी होगी। जहां संदीप सिंह, मेघना चौधरी पुत्री विजय व अरुण चौधरी, मूल निवासी गोंडा ब्लॉक का रुदायन उर्फ तारापुर गांव का हाथ थामेंगे, वहीं छोटे भाई सौरभ सिंह, अंतरा त्यागी पुत्री अनुराधा व देवेश त्यागी के साथ जीवन की नई शुरुआत करेंगे। पंडाल को तीन अलग–अलग लेयर्स में विभाजित किया गया है। अति विशिष्ट दीर्घा, विशिष्ट दीर्घा और आम आगंतुक क्षेत्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के संभावित आगमन को लेकर रामघाट रोड स्थित स्कूल परिसर में श्री–वे हेलीपैड तैयार किया गया है। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया गया है, जिसके चलते सुरक्षा मानकों को सर्वोच्च स्तर पर रखा गया है।

समारोह के मीनू को शाही रखा गया है। वीवीआईपी मेहमानों को जहां आधुनिक कॉन्टिनेंटल फूड परोसा जाएगा, वहीं मुख्य आकर्षण बाबूजी कल्याण सिंह की यादों से जुड़ा ग्रामीण और ब्रज का पारंपरिक स्वाद भी होगा।

अतरौली और अलीगढ़ के ग्रामीण अंचलों की प्रसिद्ध देसी घी की बालूशाही, विशेष मटका कुल्फी और बाजरे की खास वैरायटी को भी मीनू का हिस्सा बनाया गया है। सगाई समारोह में एक हजार वीवीआईपी व वीआईपी का खाना तैयार करने का काम दिल्ली की कैटरिंग फर्म को दिया गया है जबकि बाकी खाना का जिम्मा प्रेमी कैटर्स को दिया गया है।आयोजन स्थल थाईलैंड से आने वाले ऑर्किड, नीदरलैंड के ट्यूलिप, लिली और अन्य विदेशी फूलों से सजा है। सगाई की रस्में 14 नवंबर को दोपहर 12 बजे के बाद शुभ मुहूर्त में शुरू होंगी। सगाई के बाद दोनों भाइयों का विवाह समारोह 26 नवंबर को और रिसेप्शन 27 नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित है। देश के शीर्ष राजनेता, केंद्रीय मंत्री और वैश्विक हस्तियों के शिरकत करने की संभावना है।राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य समेत प्रदेश सरकार के मंत्रियों के पहुंचने का कार्यक्रम है। अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों और कई विशिष्ट अतिथियों के भी शामिल होने की संभावना है।

असेम्बली इलेक्शन से पहले आया चौकाने वाला सर्वे

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सियासी दलों ने तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा तीसरी बार फिर सत्ता में वापसी की कोशिश में है तो समाजवादी पार्टी भी सरकार बनाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। अब सवाल यह है कि यूपी की जनता अगली रिजीम के लिए किसे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर देखना चाहती है? क्या लोगों की पसंद एक बार फिर योगी आदित्यनाथ हैं या अखिलेश यादव को लेकर ज्यादा उम्मीद है?वोट वाइब के ताजा सर्वे में 44.1 फीसदी लोगों ने योगी आदित्यनाथ को अगले मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पसंद बताया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव दूसरे नंबर पर हैं। उन्हें 34.5 फीसदी लोगों का समर्थन मिला है।दोनों के बीच 9.6 प्रतिशत अंकों का अंतर है।सर्वे में सिर्फ योगी और अखिलेश का नाम नहीं पूछा गया था, बसपा प्रमुख मायावती और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का नाम भी शामिल था।आंकड़ों के मुताबिक 6.5 फीसदी लोगों ने प्रियंका गांधी को अगला मुख्यमंत्री बनाने की बात कही तो 5.8 फीसदी लोगों ने मायावती को पसंद बताया।

दूसरे नामों के पक्ष में 4.4 फीसदी लोगों ने जवाब दिया जबकि 4.7 फीसदी लोगों ने कोई राय नहीं दी या कुछ कहने से इनकार किया। आंकड़ों में योगी आदित्यनाथ पहले, अखिलेश यादव दूसरे, प्रियंका गांधी तीसरे और मायावती चौथे स्थान पर हैं।वोट वाइब की रिपोर्ट के मुताबिक सर्वे उत्तर प्रदेश के सभी जिलों को शामिल करते हुए किया गया है।

नगर आयुक्तों और निकायों के अधिशासी अधिकारियों को सतर्कता के निर्देश

लखनऊ,संवाददाता। त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली भीड़ और यातायात तथा शीत ऋतु में निराश्रित गोवंश की सुरक्षा को लेकर विशेष कार्ययोजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप प्रदेश में गोवंश संरक्षण की व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए गो–आश्रय स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने और निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के संबंध में दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। योगी सरकार का स्पष्ट ध्येय है कि गोवंश को सुरक्षित आश्रय स्थलों तक पहुंचाने के साथ उनकी देखभाल और संरक्षण की व्यवस्था को मजबूत किया जाए। कहीं भी गोवंशों के पाए जाने पर उनका संरक्षण कराया जाएगा। इसके तहत विशेष अभियान चलाकर पेट्रोलिंग की जाएगी।राजमार्गों, बाजारों, मंडियों और प्रमुख मार्गों पर त्यौहार के समय लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में विशेष अभियान चलाने और पेट्रोलिंग कराने के निर्देश दिए गए हैं।

निपुण उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को नई गति देगी योगी सरकार

लखनऊ,संवाददाता। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में बुनियादी शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करने और विद्यार्थियों की वास्तविक अधिगम दक्षताओं का आकलन करने के लिए योगी सरकार द्वारा निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को गति दी जा रही है। प्रदेश के परिषदीय प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में कक्षा–1 और 2 के विद्यार्थियों का निपुण विद्यालय आकलन कराया जाएगा। डीएलएड प्रशिक्षुओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग पार्थ सारथी सेन शर्मा ने दिशा–निर्देश जारी किए हैं। आकलन दो चरणों में होगा। प्रथम चरण 21 से 30 दिसंबर तथा द्वितीय चरण 20 से 30 जनवरी 2027 तक किया जाएगा। आकलन के बाद रिपोर्ट कार्ड एनआईसी पोर्टल पर अपलोड कर अभिभावकों को उपलब्ध कराए जाएंगे। निपुण विद्यालयों के शिक्षकों के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा। विद्यार्थियों की भाषा एवं गणित संबंधी दक्षताओं का व्यवस्थित आकलन कर उनकी शैक्षिक प्रगति की वास्तविक स्थिति सामने लाई जाएगी। इससे विद्यालयों को निपुण लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ाने और प्रदेश में बुनियादी शिक्षा की गुणवत्ता मजबूत करने में सहायता मिलेगी। परिषदीय प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में प्रत्येक डीएलएड प्रशिक्षु को एक विद्यालय आवंटित किया जाएगा। वहां कक्षा–1 के 12 और कक्षा–2 के 12 विद्यार्थियों सहित कुल 24 बच्चों का आकलन किया जाएगा। किसी कक्षा में 12 से कम विद्यार्थी नामांकित होने की स्थिति में सभी विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया जाएगा। विद्यार्थियों के नाम निपुण प्लस ऐप पर रैंडम रूप से प्रदर्शित होंगे। संबंधित प्रधानाध्यापक और शिक्षक निर्धारित तिथि पर विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे।आकलन के लिए निपुण प्लस ऐप का उपयोग किया जाएगा।

फार्मासिस्टों ने 18 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सीएमओ को सौंपा

लखनऊ,संवाददाता। लंबित 18 सूत्रीय मांगों के निस्तारण को लेकर डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। एसोसिएशन के आह्वान पर शुक्रवार को जनपद के सभी चीफ फार्मासिस्ट और फार्मासिस्ट मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय पर एकत्र हुए और धरना–प्रदर्शन किया। धरने के बाद संघ के मंत्री कपिल वर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सीएमओ डॉ. एनबी सिंह को सौंपा गया। पदाधिकारियों ने बताया कि मांगों पर जल्द अमल न हुआ तो आंदोलन के दूसरे चरण में 20 नवंबर को महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं के कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसमें जनपद के सभी चीफ फार्मासिस्ट और फार्मासिस्ट शामिल होंगे। एसोसिएशन का कहना है कि लंबे समय से 18 सूत्रीय मांगों पर शासन स्तर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लगातार अनदेखी से फार्मासिस्टों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। इस मौके पर आरबी मौर्या वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद सिंह उपाध्यक्ष अविनाश सिंह संगठन मंत्री चंद्रशेखर श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष श्रवण सचान पूर्व महामंत्री प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय पांडे पंकज रस्तोगी सुशील त्रिपाठी आदि साथी उपस्थिति रहे।



प्रमुख मांगें फार्मेसिस्ट को फार्मेसी अधिकारी और चीफ फार्मेसिस्ट को चीफ फार्मेसी अधिकारी का पदनाम दिया जाए। फार्मेसिस्ट को ग्रेड पे 4600, चीफ फार्मेसिस्ट को 5400, प्रभारी अधिकारी को 6600, विशेष कार्याधिकारी को 7600 और संयुक्त निदेशक को 8700 का वेतनमान दिया जाए। फार्मेसिस्टों को प्राथमिक उपचार व सीमित दवाएं लिखने का अधिकार दिया जाए। नियुक्ति हेतु न्यूनतम योग्यता बैचलर इन फार्मेसी या फार्म–डी की जाए।

देश के सबसे बड़े टीवी रियलिटी शो में शामिल होंगे देशभर के चुनिंदा प्रतिभाशाली कलाकार

लखनऊ,संवाददाता। देशभर के प्रतिभाशाली कलाकारों के लिए एक बड़ा राष्ट्रीय मंच तैयार है। नाइस फिल्म प्रोडक्शन द्वारा आयोजित ''इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो और इंडियास सुपर मॉडल सीजन 3.0'' का भव्य ग्रैंड फिनाले 9 जनवरी को आयोजित किया जाएगा।इस बार सीजन 3.0 पहले से कहीं अधिक खास और भव्य होने जा रहा है। ग्रैंड फिनाले से जुड़े कार्यक्रमों का प्रसारण राष्ट्रीय टेलीविजन पर कुल आठ एपिसोड में किया जाएगा। इन एपिसोड में अभिनय, नृत्य, मॉडलिंग और गायन जैसी विभिन्न श्रेणियों के प्रतिभागियों की शानदार प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी।इस आयोजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि देशभर के 20 से अधिक शहरों में ऑडिशन आयोजित किए गए हैं। इन ऑडिशन के माध्यम से प्रत्येक श्रेणी से चुनिंदा और प्रतिभाशाली कलाकारों का चयन किया गया है। अब ये कलाकार राष्ट्रीय टेलीविजन के मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने और अपनी अलग पहचान बनाने के लिए तैयार हैं।शो के विजेता प्रतिभागियों को सीधे म्यूजिक एल्बम, सॉन्ग शूटिंग और कंपनी के आगामी नए प्रोजेक्ट्स में काम करने के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे। इससे नए और उभरते कलाकारों को मनोरंजन जगत में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिलेगा।'नाइस फिल्म प्रोडक्शन के संस्थापक एवं निदेशक अजीत श्रीवास्तव ने बताया'' कि सीजन 3.0 उनके लिए बेहद खास होने वाला है। इस बार देशभर से बेहतरीन प्रतिभाओं का चयन करके एक ऐसा मंच तैयार किया।

संपादकीय

फिर दहशत की दस्तक

भारत विरोध को प्राणवायु बनाने वाले पाकिस्तान पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता कि वह भारत पर घात का कोई मौका चूकेगा। पाक प्रायोजित आतंक का चेहरा एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले में उजागर हुआ है। किश्तवाड़ में दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों यानी एसपीओ की हत्या और कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की पोस्ट पर हमले की हालिया घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। करीब चौबीस घंटे के भीतर हुई ये घटनाएं बताती हैं कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा हालात अभी भी संवेदनशील बने हुए हैं। ये घटनाएं एक बार फिर याद दिलाती हैं कि सामान्य स्थिति और स्थायी शांति के दावों से इतर इलाके में आतंकवाद के रक्तबीज मौजूद हैं। दुखद ही है कि लापता होने के एक दिन बाद दो स्पेशल पुलिस अधिकारियों के गोलियों से छलनी शव बरामद हुए हैं। वहीं दूसरी ओर सीआरपीएफ की चेकपोस्ट पर हुए हमले में तीन जवान घायल हुए हैं। निस्संदेह,यह हमारी खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों के लिये नई चुनौती है। उल्लेखनीय है कि इससे ठीक एक साल पहले राजधानी में लाल किले के पास एक कार धमाके में ग्यारह लोगों की जान चली गई थी। कालांतर राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनएआई की व्यापक जांच के बाद पता चला था कि विस्फोट की घटना में जम्मू-कश्मीर स्थित पुलवामा के एक डक्टर की मुख्य भूमिका रही थी। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर में हालिया आतंकी हमलों की सभी राजनीतिक दलों ने निंदा की है। वहीं केंद्र शासित प्रदेश में सत्ताधारी नेशनल कन्फ्रेंस ने केंद्र सरकार के उस दावे पर सवाल उठाये हैं, जिसमें कहा गया था कि जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से मुक्त हो चुका है। ऐसे वक्त बयानबाजी से आगे बढ़कर खुफिया जानकारी जुटाने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने, सुरक्षा इंतजामों को मजबूत करने और आतंकवाद विरोधी अभियानों में बेहतर सामंजस्य स्थापित करने की सख्त जरूरत है। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि स्थानीय समुदायों की चिंता पर विशेष ध्यान दिया जाए। निस्संदेह, आज के आधुनिक उन्नत तकनीक के युग में आतंकवाद से लड़ाई के लिये तमाम विकल्प सुरक्षा बलों के पास मौजूद हैं। लेकिन स्थानीय समाज में घुल-मिल कर रहने वाले आतंकियों तक पहुंच बनाने के लिये लोकल संपर्क सूत्रों की बड़ी भूमिका होती है। कोई भी केंद्रीय सत्ता स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना आतंक के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने में असहजता महसूस करेगी। पाकिस्तानी सीमा से लगने वाले दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को इस बात के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि वे बिना किसी भय व दबाव के सुरक्षा एजेंसियों से सहयोग करें। निस्संदेह, आतंकवाद को हराने के लिये उनकी सुरक्षा, उनका भरोसा और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाये रखने के लिये कानून-व्यवस्था व शांति बनाये रखना बेहद जरूरी है। जैसा कि हमने देखा था कि अप्रैल २०२५ में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद घाटी की आर्थिकी को भारी चोट पहुंची थी। जो अब धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी थी। देश के विभिन्न भागों व विदेशों से आने वाले पर्यटक बर्फबारी का आनंद लेने लौटने लगे थे। निर्विवाद रूप से किश्तवाड़ जैसे इलाकों में पर्यटन की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले आतंकी हमले व हिंसा पर्यटकों को दूर रख सकती है। इससे विकास की गति बाधित होती है और स्थानीय लोगों की आजीविका संकट में पड़ जाती है। भले ही अभी तक केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा न मिल पाया हो, लेकिन इसके बावजूद घाटी के लोगों का भरोसा हासिल करना बेहद जरूरी है।



हमारे जश्न का टशन और उनका मरण

हमें लगता है, हमारा जश्न सिर्फ हमारा है। हम भूल जाते हैं कि आवाज की कोई दीवार नहीं होती। वो सबके कानों तक जाती हैकृबूढ़े के, बच्चे के, मरीज के और उस जानवर के भी, जो बोल नहीं सकता। हमारे मोहल्ले में कुल चार कुत्ते थे। कालू, भूरा, टाइगर और एक बिना नाम वाला। नाम हमने सर्वसम्मति से रखे हैं। चारों बड़े दबंग थे। गली में किसी अनजान आदमी को घुसने नहीं देते थे। रात को पहरा ऐसा देते थे, जैसे सीमा पर जवान। फिर आई दिवाली। हमने सोचा, इस बार दिवाली ऐसी मनाएंगे कि मोहल्ले को पता चले। हमने बाजार से वो वाला बम खरीदा, जिसके पैकेट पर लिखा थाकृ धमाका शत-प्रतिशत गारंटीशुदा। दुकानदार ने कहाकृफोड़ोगे तो तीन गलियों तक आवाज जाएगी।

शाम हुई। पहला बम फूटा। आवाज ऐसी कि मेरे हाथ से चाय छूट गई। दूसरा फूटा तो पड़ोस की आंटी की तुलसी का गमला गिर गया। तीसरे पर मोहल्ले के कुत्तों ने सामूहिक पलायन का फैसला कर लिया। कालू, जो खुद को गली का डॉन समझता था, सबसे पहले भागा। वो सीधा नाले के पीछे वाले खंडहर में जा छिपा। भूरा, जो रोज मेरे स्कूटर के पीछे भागता था, स्कूटर की आवाज से ही डरकर झाड़ियों में घुस गया। टाइगर, जिसका नाम टाइगर इसलिए था क्योंकि वो किसी से नहीं डरता था, अब अपने ही नाम से डरने लगा। और वो बिना नाम वाला, वो तो बिना नाम बताए ही गायब हो गया। दो दिन बाद दिवाली खत्म हो गई। हमने फोटो डाल दीकृ दीपावली शुभ हो। लाइटें उतार दीं। मिठाई के डिब्बे खाली हो गए। पर कुत्ते वापस नहीं आए। तीसरे दिन भूरा लौटा। पर अब वो भूरा नहीं रहा था। पहले वो गली के हर बच्चे के पीछे पूंछ हिलाता था। अब बच्चा भी अगर गुब्बारा फुलाता है, तो वो कोने में दुबक जाता है। कल एक बाइक वाला जोर से हॉर्न बजाते हुए निकला। भूरा चार फीट उछला। हमें लगता है, हमारा जश्न सिर्फ हमारा है। हम भूल जाते हैं कि आवाज की कोई दीवार नहीं होती। वो सबके कानों तक जाती हैकृबूढ़े के, बच्चे के, मरीज के और उस जानवर के भी, जो बोल नहीं सकता। हमने पटाखों से अंधेरा कितना भगाया, पता नहीं। पर गली के चार बेजुबानों का चैन जरूर भगा दिया। अनाम कुत्ता अभी तक लापता है। अब मैं रोज शाम को भूरे के लिए एक बिस्किट ले जाता हूं। वो बिस्किट तुरंत नहीं खाता। पहले कान खड़े करता है। तसल्ली करता है कि आसपास कोई बच्चा माचिस तो नहीं जला रहा। फिर धीरे से खाता है, जैसे कह रहा होकृमालिक, आगे से त्योहार थोड़ा धीरे मनाना।

कालू अभी भी रेलवे स्टेशन पर ही है। सुनने में आया है कि वहां भी किसी ने बम फोड़ा, तो वो अब बस स्टैंड की ओर चला गया है।

सुवेंदु सरकार की नई औद्योगिक नीति का स्वागत

कुणाल बोस

इस सच्चाई से इनकार नहीं किया जा सकता कि पश्चिम बंगाल पर इतिहास का बोझ आज भी भारी है। इस पिछड़े राज्य के संदर्भ में, कार्लमार्क्स के श्द एटीनथब्रूमेयर ऑफ लुई बोनापार्टश से एक उद्धरण देना उचित होगारू श्बीती पीढ़ियों की परंपराएं जीवित लोगों के दिमाग पर एक बुरे सपने की तरह हावी रहती हैंश इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि वाम मोर्चा के लंबे शासन और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के कार्यकाल में, पश्चिम बंगाल कभी भी औद्योगिक निवेशकृखासकर बड़े उद्योगोंकृके लिए सही माहौल नहीं बना पाया। दोहराते हुए कहें तो, वाम मोर्चा के शासनकाल में जहां बड़े भारतीय औद्योगिक घरानों और विदेशी पूंजी को सत्ता में बैठे लोगों की नजरों में संदेह की दृष्टि से देखा जाता था, वहीं उग्र ट्रेड यूनियन गतिविधियां निवेश में बाधा बनी रही। इसके बाद तृणमूल के शासन में निवेश और कामकाज का माहौल और भी खराब हो गया, जहां जबरन वसूली और गुंडागर्दी का बोलबाला रहा। एक उदाहरणरू 2008 में, जब वाम मोर्चा सत्ता में था, तब जेएसडब्ल्यू ने पश्चिम मेदिनीपुर के सालबोनी में एक बहुत बड़ी स्टील मिल लगाने के लिए लगभग 4,300 एकड़ जमीन हासिल की थी। लेकिन यह परियोजना कभी शुरू नहीं हो सकी, क्योंकि कंपनी ओडिशा से लौह अयस्क की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं कर पाई। परिस्थितियां ऐसी रहीं कि यह समूह मुश्किलों में घिर गयाकृ उग्रवादियों की धमकियां, किसानों के विरोध–प्रदर्शन, और स्थानीय गुंडों द्वारा पैसे की मांग तथा सामान की आपूर्ति के ठेकों के लिए दबाव। ये सब वाम मोर्चा के अंतिम वर्षों और तृणमूल शासन, दोनों के दौरान हुआ। लेकिन, पिछली दो सरकारों के ये बुरे सपने आज की भाजपा राज्य सरकार को क्यों परेशान कर रहे हैं? कहा जाता है कि व्यापारिक घरानों की याददाश्त बहुत तेज होती है। किसी राज्य में श्ग्रीनफील्डश (नई) परियोजना में पूंजी लगाने या पहले से चल रही किसी इकाई में बड़ा निवेश करने के लिए, उनके लिए एक महत्वपूर्ण पैमाना यह होता है कि वहां प्रबंधन का सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित हो। दुर्भाग्य से, पश्चिम बंगाल – जो कभी मारवाड़ी पूंजी और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए पसंदीदा जगह हुआ करता था– वहां 1960 से 1980 के दशक के बीच कई बड़े औद्योगिक घरानों (जैसे बिड़ला, सिंघानिया, थापर) और कंपनियों (जैसे ब्रिटानिया, फिलिप्स) ने राज्य छोड़ दिया। इसके कारण भी अच्छी तरह से दर्ज हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि ज्योति बसु 23 साल से भी ज़्यादा समय तक मुख्यमंत्री रहे। देश के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ उनकी अच्छी दोस्ती थी और वे उनका सम्मान भी करते थे, फिर भी बसु राज्य की औद्योगिक स्थिति मेंआ रही लगातार गिरावट को रोक नहीं पाए। बाहरी दुनिया को यह पता नहीं है कि किस बात ने बसु को सुधार के कदम उठाने से रोका। संभव है कि मार्क्सवादी पार्टी – जिसकी हर मामले में अंतिम राय होती है– ने बसु को इस गिरावट को रोकने के लिए पूरी छूट न दी हो। कारण चाहे जो भी रहा हो, पश्चिम बंगाल आज भी औद्योगिक और उपभोक्ता उत्पादों के लिए एक बड़ा बाजार है, और यहां से पूर्वोत्तर (नॉर्थ–ईस्ट) और उसके आगे के क्षेत्रों तक पहुंच भी मिलती है। इसलिए, पिछली दो सरकारों के दौरान आयोजित निवेशक सम्मेलनों में देश भर के व्यवसायी आते थे और निवेश का



वादा करते थे। लेकिन ये वादे ज़्यादातर कागजों तक ही सीमित रह गए और कभी जमीन पर नहीं उतरे। क्या मई 2026 में सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के बाद हालात बदले हैं? उनके पास 294 सदस्यों वाली विधानसभा में 209 भाजपा विधायकों का समर्थन है। एक कहावत है कि असली परख इस्तेमाल करने पर ही होती है। वर्तमान मुख्यमंत्री से पहले के तीन मुख्यमंत्रियों– ज्योति बसु, बुद्धदेव भट्टाचार्य और ममता बनर्जी– के कार्यकाल में बड़े उद्योगों में भारी निवेश के ढेरों वादे किए गए थे, और इसका नतीजा सबके सामने है। डॉ. बी.सी. रॉय के बाद की हर सरकार को इस बात के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है कि देश के कुल औद्योगिक उत्पादन में पश्चिम बंगाल की हिस्सेदारी आजादी के तुरंत बाद लगभग 30 प्रतिशत थी, जो अब गिरकर लगभग 3.5 प्रतिशत रह गई है। पिछले कुछ दशकों में, कभी मशहूर रही कई इकाइयां एक–एक करके घाटे में चली गईं और अंततरू बंद हो गईं। इनके बंद होने या ऐसी हालत में पहुंच जाने जहां से सुधार मुमकिन न हो, इसके कई कारण थे। इनमें शामिल हैं– गलत हाथों में जाना, खराब प्रबंधन, उत्पादों का पुराना हो जाना या बहुत महंगा पड़ना, और आधुनिकीकरण में कोई निवेश न करना। सरकार का उग्र ट्रेड यूनियनों की गतिविधियों को अनदेखा करना भी निवेश के माहौल को खराब करने का एक बड़ा कारण रहा। पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जड़ें होने के बावजूद, फिलिप्स का अब यहां कोई मैन्युफैक्चरिंग प्लांट नहीं है।

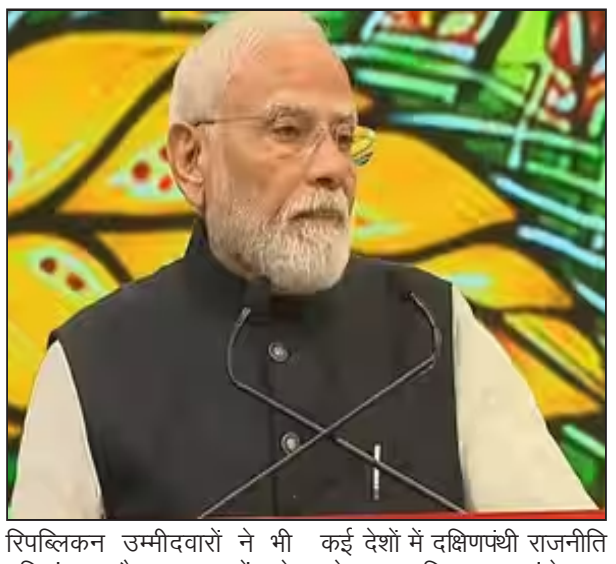
मेटल बॉक्स बहुत पहले ही खत्म हो गया। ब्रिटानिया, जिसने यहां अपना बड़ा साम्राज्य खड़ा किया था, उसने भी कलकत्ता में अपनी मन्युफैक्चरिंग यूनिट बंद कर दी। इसी तरह, कई बड़े केंद्रीय और राज्य उपक्रम भी यहां से चले गए, और अपने पीछे काफी मात्रा में ऐसी जमीन छोड़ गए जिसका कोई इस्तेमाल नहीं हो रहा है। राज्य में बहुत बड़ी औद्योगिक इकाइयां न लग पाने का एक बड़ा कारण यह है कि यहां सैकड़ों एकड़ की बड़ी जमीन के टुकड़े आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। अच्छी बात यह है कि राज्य प्रशासन अब ऐसी जमीन को वापस लेने की पहल कर रहा है जो बंद हो चुकी इकाइयों के पास बेकार पड़ी है। इनमें दुर्गापुर की एमएएमसी और हल्दिया की हिंदुस्तान फर्टिलाइजर जैसी इकाइयां शामिल हैं – जो दोनों ही केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हैं। चूंकि केंद्र और पश्चिम बंगाल में एक ही पार्टी की सरकार है, इसलिए नई इकाइयों को बसाने के लिए खाली पड़ी जमीन को हासिल करना कोई बड़ी समस्या नहीं होनी चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि स्थानीय सरकार के लिए उन सरकारी इकाइयों की जमीन वापस लेना आसान होगा, जो बंद हो चुकी हैं या घाटे में चल रही हैं। इस तरह से कुछ हजार एकड़ जमीन खाली हो जाएगी, जिसका इस्तेमाल आधुनिक और बड़ी औद्योगिक इकाइयों को बसाने के लिए किया जा सकता है। अंबानी, अडानी और अनिल अग्रवाल जैसे उद्योगपतियों ने सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात की है और पश्चिम बंगाल में बड़े निवेश का वादा किया है, जहां लंबे समय से पूंजी की कमी रही है। निवेश आने के लिए एक जरूरी शर्त यह है कि बड़े टुकड़ों में जमीन उपलब्ध हो, जिसे हासिल करने पर कोई कानूनी विवाद या सामाजिक टकराव न हो। नीति आयोग के उपाध्यक्ष और जाने–माने अर्थशास्त्री अशोक कुमार लाहिरी का कहना है कि राज्य प्रशासन को उद्योगों के लिए जमीन हासिल करने पर विचार करना चाहिए, भले ही उस पर अभी खेती हो रही हो। उनके अनुसार, रोजगार के संकट से निपटने के लिए राज्य में कुछ बड़े उद्योगों का होना जरूरी है। इस बात से संतुष्ट नहीं होना चाहिए कि पश्चिम बंगाल में बेरोजगारी की दर राष्ट्रीय औसत से कम है। राज्य में अच्छे रोजगार की कमी है, जिसके कारण प्रतिभाशाली लोग दूसरे शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं, जहां उन्हें बेहतर अवसर मिल जाते हैं। इसके अलावा, अपने राज्य में काम न मिलने की वजह से 20 लाख से ज़्यादा मजदूरकृजिनमें से ज़्यादातर उत्तरी बंगाल के जिलों से हैंकृदेश के अन्य हिस्सों और विदेशों में काम करने के लिए चले जाते हैं। राज्य की आबादी 10 करोड़ से ज़्यादा है और यहां प्रति वर्ग किलोमीटर जनसंख्या घनत्व भी बहुत अधिक है। भाजपा प्रशासन राज्य में उद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए देश के अन्य हिस्सों के बड़े व्यापारिक घरानों से निजी निवेश लाने को लेकर गंभीर नजर आता है।

विभाजन की राजनीति पर जिंदगी से जुड़े मुद्दे भारी पड़े

राजेश पांडेय

अभी हाल कुछ देशों में हुए चुनावों ने नफरत और भेदभाव की राजनीति के खिलाफ स्पष्ट संकेत दिए हैं। दक्षिणपंथी राजनीति को जबर्दस्त आघात पहुंचाया है। वोटर ने रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े मुद्दों और प्रश्नों को अहमियत दी है। उसने समाज को नस्ल, धर्म और राष्ट्रीयता के आधार पर बांटने की कोशिशों को ठुकराया है। अमेरिका, ब्राजील, सर्बिया और इजराइल के चुनाव नतीजे इन स्थितियों पर रोशनी डालते हैं। ये परिणाम भारत जैसे देश में इस तरह की राजनीति को बढ़ावा देने वालों के लिए सबक हो सकते हैं। किसी देश में लोगों ने अल्पसंख्यकों, दूसरे देशों से आए इमिग्रांट्स के विरुद्ध भावनाएं भड़काने का विरोध किया है तो कहीं बेरोजगारी, महंगाई और रहन–सहन के बढ़ते खर्च पर गुस्सा जताया गया है। असंतोष की लहर को युवाओं ने भी आगे बढ़ाया है। दुनिया खासकर लोकतांत्रिक देशों की राजनीतिक,आर्थिक स्थिति पर अमेरिका का बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इस संदर्भ में अमेरिकी चुनाव का वैश्विक महत्व है। वहां संसद के मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की ऐतिहासिक पराजय से सवाल उठता है, क्या विदेशियों और इमिग्रेशन की राजनीति ने वोटर पर असर डाला है? क्या शासन तंत्र में अरबपतियों के दबदबे और ईरान युद्ध ने वोटर को बेचैन किया है? मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति की पार्टी को अक्सर हार का मुंह देखना पड़ता है। लेकिन, इतनी जबर्दस्त हार पहले किसी राष्ट्रपति के कार्यकाल में नहीं हुई थी। सीनेट और प्रतिनिधि ा सदन पर रिपब्लिकन पार्टी का नियंत्रण खत्म हो गया है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने 37 साल में पहली बार टेक्सास राज्य में सीनेट की कोई सीट जीती है। डेमोक्रेट अब्दुल अल सैयद ने मिशिगन से चुनाव जीतकर अमेरिका के पहले मुस्लिम सांसद होने का इतिहास बनाया है। चुनाव परिणामों का अमेरिका की फेडरल सरकार के कामकाज पर असर पड़ सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को विधेयक पारित कराने के लिए डेमोक्रेट्स पर निर्भर होना पड़ेगा। वैसे, राष्ट्रपति को असीमित अधिकार होते हैं। वे संसद से पास कानूनों को वीटो कर सकते हैं। लेकिन हर मुद्दे पर टकराव से रिपब्लिकन पार्टी की मुश्किलें बढ़ेंगी। यों भी पार्टी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का विरोध बढ़ रहा है। ट्रम्प ने नतीजों के बाद कहा कि हमें डेमोक्रेट्स का सहयोग लेना पड़ेगा। वे स्वीकार करते हैं, उनकी सरकार द्वारा दूसरे देशों से आए इमिग्रांट्स पर सख्ती को लोगों ने पसंद नहीं किया है। इमिग्रेशन डोनाल्ड ट्रम्प की राजनीति का मुख्य मुद्दा रहा है। वे 2016 से 2020 के बीच राष्ट्रपति रहते हुए इमिग्रांट्स के लिए मुश्किलें खड़ी करते रहे। 2024 में दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने इस मुद्दे को जीवित रखा। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मैगा) के नाम से मशहूर उनके समर्थक भी इमिग्रांट्स का विरोध करते हैं। लेकिन दो साल के भीतर लोगों ने इस मुद्दे को भुला दिया। ईरान युद्ध के कारण तेल, गैस के मूल्य तेजी से बढ़े हैं। मकान किराया सहित जीवन के लिए जरूरी अन्य चीजों की बढ़ती कीमतों ने लोगों को उद्वेलित किया। ट्रम्प इन सबसे बेखबर थे।

2024 के बाद ट्रम्प सरकार की इमिग्रेशन विरोधी एजेंसी आईसीई ने कई राज्यों में छापे मारने का कार्यक्रम चलाया। अवैध इमिग्रांट्स को देश से बाहर निकालने का आक्रामक अभियान छेड़ा गया। हालांकि इसका जमकर विरोध भी हुआ। ट्रम्प ने इस सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए चुनाव प्रचार में मुसलमानों के खिलाफ नफरत भड़काने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। ट्रम्प ने एक रैली में कहा, अगर डेमोक्रेट्स और अल सैयद चुनाव जीतते हैं तो वे अमेरिका में जेहादियों को ले आएंगे। लोगों का क्रिसमस मनाना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी यह मुद्दा गर्म रखा। ट्रम्प के विभाजनकारी अभियान को देखते हुए अन्य



रिपब्लिकन उम्मीदवारों ने भी इमिग्रांट्स और मुसलमानों को निशाना बनाया। ट्रम्प ने चुनाव से पहले कुछ राज्यों में चुनाव क्षेत्रों का सीमांकन (जेरीमांडरिंग) कराया। इससे भी अंतिम नतीजों पर फर्क नहीं पड़ा। अपार धन की ताकत भी चुनाव को प्रभावित नहीं कर सकी। रिपब्लिकन पार्टी को कई अरबपतियों ने डेमोक्रेट्स के मुकाबले ज्यादा चंदा दिया है। दुनिया के सबसे अमीर शख्स इलोन मस्क ने चार हजार करोड़ रुपए से ज्यादा लगाए। उन्होंने अकेले टेक्सास में रिपब्लिकन केन पैक्सटन के चुनाव पर दो हजार करोड़ रुपए खर्च किए। स्पेसएक्स, टेस्ला और एक्स के मालिक मस्क के टेक्सास में कई कारोबार चलते हैं। फिर भी, पैक्सटन को डेमोक्रेट जेम्स टेलेरिको ने हरा दिया। ट्रम्प ने 2024–25 में मस्क को प्रशासन तंत्र की कार्यप्रणाली सुधारने की जिम्मेदारी सौंपी थी। मस्क ने सरकारी सक्षमता विभाग (डीओजीई) के जरिये कई फैसले लिए। ज्यादा विरोध होने पर मस्क ने यह काम छोड़ दिया था। दूसरे देशों में भी ट्रम्प समर्थक नेताओं के पांव उखड़ गए हैं। ट्रम्प के सत्तारूढ़ होने से कई देशों में दक्षिणपंथी राजनीति को सहारा मिला था। संयोगवश उनमें से कुछ राजनेता अभी हाल में चुनाव हार गए हैं। मसलन सर्बिया में राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वूसिक 12 साल सत्ता में रहने के बाद पराजित हुए। हंगरी में विक्टर ओर्बन पहले ही बाहर हो चुके हैं। ब्राजील में वामपंथी झुकाव रखने वाले राष्ट्रपति लुला डा सिल्वा ने फ्लावियो बोलसोनारो को हरा दिया। डॉ. सिल्वा ने चार साल पहले फ्लावियो के पिता जेयर बोलसोनारो को हराया था। ट्रम्प ने फ्लावियो का खुलकर समर्थन किया था। ट्रम्प के एक अन्य प्रमुख सहयोगी इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भी सत्ता में बने रहने की संभावनाएं कम हो गई हैं। चुनाव में उनके गठबंधन को बहुमत नहीं मिला है। वहां पूर्व सैनिक अधिकारी गादी आइजनकोट सरकार बनाने की जोड़–तोड़ में लगे हैं। राजनीतिक उथल–पुथल की हलचल कई यूरोपीय देशों में सामने आई है। फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, बेल्जियम में युवाओं, छात्रों ने आंदोलन छेड़े हैं। लेकिन फ्रांस में मेरीन ली पेन की दक्षिणपंथी नेशनल पार्टी को काफी समर्थन मिल रहा है। जर्मनी में आल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) ने चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की सरकार के सामने चुनौती खड़ी की है। यूरोप में मुख्यरूप से महंगाई और बेरोजगारी के विरूद्ध आवाज उठाई जा रही है।

इधर, भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एनडीए सरकार को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। आर्थिक, सैनिक शक्ति के हिसाब से तो अमेरिका और भारत में काफी अंतर है। लेकिन, ट्रम्प की राजनीतिक प्राथमिकताओं और भारत में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में काफी समानता है। मोदी सरकार को कॉकरोच जनता पार्टी की अगुआई में हुए छात्रों के आंदोलन के सामने झुकना पड़ा है। नीट पेपर लीक के विरोध में हुआ आंदोलन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खत्म हुआ था। इसके बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुआई में विपक्षी दलों ने मतदाता सूचियों में गड़बड़ी के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग के साथ चल रहे अभियान का निशाना मोदी सरकार भी है। चुनाव प्रक्रिया में भारी अनियमितताओं की कथा तो अनंत साबित हो रही है। चुनाव आयोग भी अपनी गलतियों को स्वीकार करते हुए आदेश जारी कर रहा है। इसके बावजूद अब तक किसी की जवाबदेही तय नहीं हुई है। चुनाव आयोग के बचाव में खड़ी भाजपा सवालों का जवाब देने की बजाय विपक्ष को देशद्रोही, अराजक और विदेशियों का टूलकिट घोषित कर रही है। भाजपा के सभी शीर्ष नेता कांग्रेस पर घुसपैठियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हैं। वे दावा करते हैं, एसआईआर के तहत जिन 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं उनमें तीन करोड़ घुसपैठिये हैं। कांग्रेस इन लोगों को बचाने के लिए अभियान चला रही है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प भी डेमोक्रेटिक पार्टी पर इमिग्रांट्स को बढ़ावा देने के आरोप लगाते हैं। भाजपा की हिंदुत्व राजनीति में अल्पसंख्यकों की हैसियत दोयम दर्जे की है। उनके खिलाफ सोशल मीडिया से लेकर हर जगह घृणा फैलाने का अभियान चलाया जाता है। ट्रम्प भी अमेरिका में इमिग्रांट्स और मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाते हैं। एक और मामले में ट्रम्प और भाजपा नेतृत्व के बीच समानता है। यों तो अमेरिका पूंजीवाद का सबसे मजबूत दुर्ग है। लेकिन, ट्रम्प ने पूंजीवाद में नया अध्याय जोड़ा है। उनका प्रशासन मस्क जैसे कुछ अरबपतियों को ज्यादा तवज्जो देता है। अमेरिका में ट्रम्प के साथ मस्क हैं तो भारत में एनडीए सरकार अंबानी, अडानी और अन्य उद्योगपतियों के साथ खड़ी है। ट्रम्प सरकार और मोदी सरकार के बीच समानताएं यहां खत्म नहीं होती हैं। ट्रम्प ने वहां जैरीमांडरिंग के मार्फत कुछ चुनाव क्षेत्रों का नया सिरे से निर्धारण कराया है। इसके बावजूद ऐसे क्षेत्रों में रिपब्लिकन पार्टी हार गई। भारत सरकार भी चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन कराने जा रही है।

विदेशी पत्रकार के भारत आने पर रोक

नॉर्वे की पत्रकार हेले लिंग एक बार फिर चर्चा में हैं। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार द्वारा हैदराबाद में 13 और 14 नवंबर को आयोजित श्भारत समिटश में देश और दुनिया की कई जानी–मानी हस्तियों को आमंत्रित किया गया है और अलग–अलग विषयों पर उनके भाषण या व्याख्यान हैं। हेले लिंग को इस समिट में श्मीडिया के भविष्य और प्रेस की आजादीश पर एक पैनलिस्ट के तौर पर शामिल होना था। लेकिन सोशल मीडिया पर एक वीडियो के जरिए हेले लिंग ने जानकारी दी कि उनके एयरपोर्ट निकलने से 10 मिनट पहले नार्वे स्थित भारतीय दूतावास ने उन्हें जानकारी दी कि उनका वीजा रद्द किया जाता है और वे अब भारत नहीं जा सकती है। हेले लिंग ने इस पूरे मामले में गृहमंत्री अमित शाह पर सवाल उठाए हैं, क्योंकि उन्हें गृह मंत्रालय के निर्देश पर ही भारत आने से रोका गया है। हेले लिंग ने अपने वीडियो में अनुमान लगाया है कि इस साल मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नार्वे यात्रा के दौरान उन्होंने मोदी से प्रेस की आजादी से जुड़े सवाल किए थे, क्या इसी वजह से उनकी यात्रा रोकी गई है या फिर जून–जुलाई में कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के समर्थन में उन्होंने संपादकीय लेख लिखे, इस वजह से मोदी सरकार ने उनका वीजा रद्द किया है या सीजेपी के अभिजित दिपके का इंटरव्यू हेले लिंग ने लिया है, यह बात मोदी सरकार को नागवार गुजरी है। अपने वीडियो में हेले लिंग ने यह भी कहा है कि अमित शाह अब गेंद आपके पाले में है। लिंग ने अमित शाह से मामले में हस्तक्षेप करने और उन्हें भारत आने की अनुमति देने की अपील की। उन्होंने कहा कि समिट में उनके बोलने का कार्यक्रम 48 घंटे बाद है और वह अगली उपलब्ध उड़ान से हैदराबाद पहुंच सकती हैं। फिलहाल इस पूरे प्रकरण में अमित शाह, गृह मंत्रालय या विदेश मंत्रालय की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। शायद हेले लिंग उनकी नजर में इतनी अहमियत नहीं रखतीं कि उनकी पोस्ट में उठाए सवालों का जवाब दें, या फिर हेले लिंग एक पत्रकार के तौर पर मोदी सरकार को अब इतना डराती हैं कि उन्हें भारत आने से ही रोक दिया गया है। असलियत जो भी हो, इतना तो तय है कि हेले लिंग को आने से रोककर मोदी सरकार ने अपना ही नुकसान करवाया है। अगर वे तेलंगाना आतीं और अंग्रेजी में अपना भाषण देतीं, तो उस पर सीमित चर्चा ही होती, क्योंकि एक राज्य के कार्यक्रम में किसी वक्ता ने क्या कहा है, इस पर कम लोगों का ही ध्यान जाता। लेकिन अब मोदी सरकार के डर के कारण यह मुद्दा वैश्विक स्तर पर चर्चा में आ गया है। हेले लिंग को रोकना महज स्वतंत्र पत्रकारिता पर अंकुश लगाने का प्रयास नहीं माना जाएगा, यह विदेशी मीडिया में मोदी की नकारात्मक छवि बनाएगा। देश में तो मीडिया का बड़ा हिस्सा उनके मालिकान के कारण मैनेज किया जा चुका है, लेकिन यूरोप और अमेरिका में मीडिया की स्वतंत्रता और साख अब भी कायम है। हेले लिंग को हैदराबाद के मंच से जो बातें कहनी थीं अगर वे नॉर्वे में बैठकर ही सोशल मीडिया के जरिए कहें तो अब दुनिया और गौर से उनकी बात सुनेगी। हेले लिंग मीडिया के भविष्य और प्रेस की आजादी के साथ अब यह भी दुनिया को बताएंगी कि कैसे उनकी आवाज को मोदी सरकार ने रोकने की कोशिश की। क्योंकि उन्होंने कहा है कि प्रेस की आजादी और लोकतंत्र की मजबूती आपस में जुड़े हुए हैं। उनकी इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। क्योंकि भारत में हम लगातार देख रहे हैं कि किस तरह प्रेस की आजादी, अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार पर अंकुश लगाने की कोशिशें हो रही हैं। प्रधानमंत्री प्रेस कांफ्रेंस नहीं करते यह एक शर्मनाक तथ्य है।

बहादुर यादव महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का भव्य स्वागत समारोह आयोजित





देवरिया। भटनी नगर पंचायत स्थित बहादुर यादव महाविद्यालय में शुक्रवार को छात्र–छात्राओं के स्वागत एवं अभिनंदन हेतु भव्य स्वागत समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम., बीसीए एवं डी.फार्मा के नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान खैराट राज किशोर यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण करके किया। इस अवसर पर विजय कुमार गुप्ता मुन्ना जी, अध्यक्ष नगर पंचायत भटनी, क्षेत्र के गणमान्य लोग एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार द्वारा सभी अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक अजय कुमार यादव ने नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश उनके जीवन की एक नई शैक्षिक यात्रा की शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय की निदेशक ममता यादव ने विद्यार्थियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि महाविद्यालय परिवार सभी नवागंतुक विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने छात्र–छात्राओं को शिक्षा के साथ–साथ सांस्कृतिक, सामाजिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में भी बढ़–चढ़कर भाग लेने की सलाह दी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थी जीवन व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इस दौरान प्राप्त ज्ञान, संस्कार एवं अनुशासन ही भविष्य की सफलता का आधार बनते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित कक्षाओं में उपस्थित रहने तथा शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. आर.एम. यादव ने नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाविद्यालय केवल डिग्री प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने शिक्षकों का सम्मान करने, समय का सदुपयोग करने तथा सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

स्वागत समारोह के दौरान नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं का पुष्पगुच्छ एवं स्वागत–अभिनंदन के माध्यम से आत्मीय स्वागत किया गया। विद्यार्थियों ने भी अपने विचार एवं परिचय प्रस्तुत कर कार्यक्रम को यादगार बनाया। समारोह का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराना तथा उनमें अपनत्व, सहयोग एवं सामूहिकता की भावना विकसित करना रहा।

इस कार्यक्रम में डॉ. अनूप कुमार, डॉ. तारा ठाकुर, अली सरवर, वीरेन्द्र प्रताप विश्वकर्मा, शिवशंकर मौर्य, प्रतिभा पटेल, सीमा यादव, राजीव कुमार शर्मा, दिवाकर यादव, मनोज शर्मा, दुर्गेश यादव, राजेश यादव, राहुल यादव एवं इन्द्रजीत, संदीप सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

लाखों के जेवरात चोरी होने के बाद भी खाली हाथ पुलिस, पीड़ित ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

विवेचना की प्रगति रिपोर्ट मांगने की उठाई मांग,न चोरों का सुराग और न ही सामान की बरामदगी'

लोक हस्तक्षेप समाचार

मईल, देवरिया। थाना मईल क्षेत्र के ईशारू गांव में एक घर को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों द्वारा लाखों रुपये के सोने–चांदी के आभूषण और नकदी चोरी किए जाने के मामले में पुलिस की जांच पर सवाल उठने लगे हैं। घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद न तो चोरों का कोई सुराग लग सका है और न ही चोरी गए आभूषणों की बरामदगी हो पाई है। इससे परेशान पीड़ित परिवार ने अब पुलिस अधीक्षक देवरिया से न्याय की गुहार लगाई है।



चोरी की घटना के बाद बिखरे पड़े सामान की छायाचित्र

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ईशारू गांव निवासी सूर्यप्रकाश द्विवेदी पुत्र भरतनाथ द्विवेदी के घर में 31 अक्टूबर 2026 की रात अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। परिवार के सभी सदस्य भोजन करने के बाद सो गए थे। इसी दौरान चोरों ने घर के उस कमरे को निशाना बनाया, जिसमें कोई सोया नहीं था। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण चोरों ने खिड़की का जंगला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और अलमारी तथा बक्सों के ताले तोड़कर

आईजीआरएस प्रकरणों के निस्तारण में प्राविधानों का करें पालन

आईजीआरएस को लेकर जनपद की रैंकिंग न हो प्रभावित, होगी कड़ी कार्रवाई - डीएम

लोक हस्तक्षेप समाचार

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने आईजीआरएस के निस्तारित फीडबैक की गहन समीक्षा के दौरान वास्तविक एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण निर्धारित प्राविधानों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है।

उन्होंने अधिकारियों को आगाह करते हुए कहा कि आईजीआरएस के प्रकरणों का तत्परता एवं वास्तविक रूप से निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही आईजीआरएस में जनपद की रैंकिंग प्रभावित न हो, इस पर विशेष रूप से ध्यान रखें, अन्यथा उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान निर्देश दिया कि प्रकरण के निस्तारण में मौके का स्पॉट मेमो लगाना अति आवश्यक है तथा आवेदकों से इस दौरान अनिवार्य रूप से संपर्क किया जाए। आवेदक से वार्ता कर उसके संतुष्ट या असंतुष्ट होने की स्थिति को भी आख्या में दर्शाते हुए उसे पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाए। उन्होंने निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप प्राप्त शत–प्रतिशत आईजीआरएस प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। अन्यथा की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने डिस्ट्रिक्ट कॉन्टैक्ट सेंटर-1950 एवं निर्वाचन कार्यालय का किया निरीक्षण

☐ शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

देवरिया। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शुक्रवार को डिस्ट्रिक्ट कॉन्टैक्ट सेंटर–1950 कक्ष एवं निर्वाचन कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं, प्राप्त शिकायतों के निस्तारण तथा कार्यालय में संचालित विभिन्न कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।





उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि डिस्ट्रिक्ट कॉन्टैक्ट सेंटर पर प्राप्त होने वाली शिकायतों एवं निर्वाचन संबंधी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा निर्वाचन से जुड़े कार्यों में पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। कार्यालय की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाए रखते हुए निर्वाचन संबंधी सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखी जाएं, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन प्रेम नारायण सिंह आदि उपस्थित रहे।

सरकारी सेवाओं में चयनित विद्यार्थियों का सम्मान कर बढ़ाया प्रखर गुप्ता ने उत्साह

लोक हस्तक्षेप समाचार

उन्नाव।जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय ने बताया कि समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास, शिवनगर बाईपास, उन्नाव में सरकारी सेवाओं में चयनित छात्रावास के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।



कार्यक्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता के प्रतिनिधि प्रखर गुप्ता ने मुख्य रूप से प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने उपस्थित छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन, दृढ़ इच्छाशक्ति एवं निरंतर प्रयास से जीवन में कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। विद्यार्थियों की सफलता न केवल उनके परिवार एवं संस्थान, बल्कि पूरे जनपद के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अन्य अभ्यर्थियों को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरित किया।

समारोह में वैज्ञानिक सहायक अंकुर, क्लर्क निर्वाचन सत्येन्द्र, सहायक लेखाकार रोहित, अग्निवीर सचिन, होमगार्ड विकास, पुलिस विभाग से कौशल, श्री भगवती प्रसाद,नवीन सिंह, विंदा प्रसाद शास्त्री, गोबिन यादव, दिनेश कुमार रावत अध्यक्ष ,राजकुमारी, ज्ञान प्रकाश, अनुपम सिंह, राम प्रसाद एवं सावन सहित अनेक गणमान्य एवं सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकारी सेवाओं में चयनित विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सम्मानित करना, उनमें आत्मविश्वास एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना तथा अन्य विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना रहा। अंत में सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए समारोह का समापन उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में हुआ।

शिलान्यास के बाद भी अधूरा पड़ा सलेमपुर प्यासी मार्ग, राहगीरों की बढ़ी मुश्किलें

लोक हस्तक्षेप समाचार

सलेमपुर (देवरिया)। सलेमपुर से प्यासी जाने वाला मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली को लेकर चर्चा में है। कुछ माह पूर्व मोहर भाई चौक पर सलेमपुर की विधायक एवं प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम तथा पूर्व सांसद रविंदर कुशवाहा ने विधिवत शिलान्यास कर सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाने की बात कही थी। इसके बावजूद सड़क निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों के अनुसार, शिलान्यास के बाद सड़क पर कंकड़–पत्थर डालकर निर्माण कार्य शुरू तो



किया गया, लेकिन काम की गति बेहद धीमी रही। वर्तमान स्थिति यह है कि सड़क पर जगह–जगह ईंट–पत्थर और गिट्टियां फैली हुई हैं। इससे राहगीरों को धूल–धक्कड़ और उबड़–खाबड़ रास्ते से होकर गुजरना पड़ रहा है।

इस मार्ग से प्रतिदिन दर्जनों गांवों के लोगों का आवागमन होता है। स्कूली बच्चों, दोपहिया वाहन चालकों, साइकिल सवारों और अन्य राहगीरों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। सड़क पर बिखरे पत्थरों के कारण वाहन चालकों को दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वहीं वाहनों के गुजरने से उड़ने वाली धूल लोगों के लिए अतिरिक्त परेशानी का कारण बन रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण की घोषणा और शिलान्यास के बाद लोगों को उम्मीद जगी थी कि जल्द ही आवागमन सुगम हो जाएगा, लेकिन निर्माण कार्य अधूरा रहने से उनकी उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मांग की है कि सलेमपुर–प्यासी मार्ग का निर्माण कार्य जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को आवागमन की समस्या से निजात मिल सके।

मतदाता सूची में शत–प्रतिशत पात्र नागरिकों का नाम दर्ज कराने के लिए विभिन्न संगठनों का लिया जाएगा सहयोग

संवाददाता, प्रतापगढ़। विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण–2027 के अंतर्गत जनपद में शत–प्रतिशत पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने के उद्देश्य से विभिन्न सरकारी विभागों, औद्योगिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं का सहयोग लिया जाएगा। इस संबंध में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जनपद के विभिन्न विभागों एवं संगठनों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण–2027 के दौरान किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होने से वंचित न रहे। इसके लिए विभिन्न शासकीय विभागों के साथ–साथ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी औद्योगिक संस्थानों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), अधिवक्ता संगठनों, नागरिक सुरक्षा संगठनों, श्रमिक संगठनों, व्यापार संगठनों, चिकित्सक संघों, मेडिकल एसोसिएशन, ग्राम प्रधानों, समाज सेवियों एवं प्रतिष्ठित नागरिकों का सहयोग प्राप्त किया जाएगा। जनपद में स्थित सार्वजनिक एवं निजी औद्योगिक संस्थानों में कार्यरत सभी पात्र कार्मिकों का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए संस्थानों में विशेष शिविर आयोजित कर पात्र कर्मचारियों का पंजीकरण कराया जाएगा।

इसी प्रकार रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर आवासीय सोसायटियों, बहुमंजिली अपार्टमेंट परिसरों एवं कॉलोनियों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से पात्र निवासियों, नए आवासीय क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तथा पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के साथ ही आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कराई जाएंगी। जिला बार एसोसिएशन, तहसील बार एसोसिएशन एवं अन्य अधिवक्ता संगठनों के सहयोग से न्यायालय परिसरों तथा अधिवक्ता संघ भवनों में भी मतदाता पंजीकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। वहीं नागरिक सुरक्षा संगठनों के माध्यम से नगरीय क्षेत्रों, घनी आबादी वाले मोहल्लों एवं मलिन बस्तियों में छूटे हुए पात्र नागरिकों को चिह्नित कर उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की कार्यवाही की जाएगी।

श्रमिक संगठनों एवं श्रमिक संघों के पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर औद्योगिक क्षेत्रों, कारखानों एवं निर्माण स्थलों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, संविदा कर्मचारियों तथा दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का मतदाता सूची में पंजीकरण सुनिश्चित कराने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त व्यापार संगठनों के साथ बैठक कर मतदाता जागरूकता एवं पंजीकरण अभियान में उनका सहयोग लिया जाएगा। चिकित्सक संघ एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की स्थानीय शाखाओं, निजी चिकित्सालयों, नर्सिंग होम एवं अन्य चिकित्सा संस्थानों के सहयोग से भी विशेष शिविर आयोजित कर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में पूर्व एवं वर्तमान ग्राम प्रधानों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से पात्र नागरिकों को चिह्नित कर उनका मतदाता सूची में पंजीकरण कराया जाएगा। इसी प्रकार नगरीय निकायों के पूर्व एवं वर्तमान सभासदों के माध्यम से संबंधित वार्डों में विशेष अभियान चलाकर पात्र नागरिकों को मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया जाएगा। समाजसेवियों एवं प्रतिष्ठित नागरिकों का सहयोग लेकर छूटे हुए पात्र मतदाताओं की पहचान कर उनका पंजीकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर गेहूँ बीज उपलब्ध 8151.40 कुंतल बीज की हो चुकी है बुकिंग

संवाददाता

कुशीनगर। जिला कृषि अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने बताया कि रबी अभियान–2026 के अन्तर्गत जनपद कुशीनगर को गेहूँ सामान्य वितरण योजना के तहत 50 प्रतिशत अनुदान पर कुल 13,280.00 कुंतल बीज वितरण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके सापेक्ष अब तक 12,604.20 कुंतल गेहूँ बीज की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त जनपद के राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर मसूर का उन्नत प्रमाणित बीज शत–प्रतिशत अनुदान तथा सरसों का उन्नत प्रमाणित बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध है। निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति के लिए कृषि विभाग द्वारा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, जनप्रतिनिधियों तथा क्षेत्रीय कर्मचारियों के माध्यम से किसानों को योजनाओं की जानकारी देते हुए व्यापक प्रचार–प्रसार कराया जा रहा है।

वहीं जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि अब तक जनपद में कुल 8,151.40 कुंतल गेहूँ बीज की बुकिंग किसानों द्वारा कराई जा चुकी है। निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष किसानों का चयन पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है तथा चयनित किसानों के पंजीकृत मोबाइल नम्बर पर एसएमएस के माध्यम से सूचना भी भेजी जा रही है। वर्तमान में जनपद के सभी राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर गेहूँ बीज उपलब्ध कराते हुए नियमानुसार वितरण कराया जा रहा है।

उन्होंने बुकिंग कराने वाले समस्त किसान भाइयों से अपील की है कि वे समय से अपने सम्बन्धित राजकीय कृषि बीज भण्डार पर उपस्थित होकर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण (अंगूठा लगाकर) के माध्यम से अपना बीज प्राप्त कर लें। विशेष रूप से ध्यान दें कि जिन चयनित किसानों द्वारा 19 नवम्बर 2026 तक बीज प्राप्त नहीं किया जाएगा, उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जाएगा तथा उनके स्थान पर वरीयता क्रम में प्रतीक्षा सूची के अन्य किसानों को बीज आवंटित कर दिया जाएगा। इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी सम्बन्धित किसान की होगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कृषि विभाग के माध्यम से वितरित किए जाने वाले गेहूँ बीज के निर्धारित लक्ष्य की बुकिंग पूर्ण होते ही पोर्टल पर बुकिंग की प्रक्रिया स्वयं बंद हो जाएगी। ऐसी स्थिति में किसीआ कारणवश बुकिंग कराने से वंचित रह जाने वाले किसान निजी क्षेत्र के अधिकृत बीज विक्रेताओं से भी गुणवत्तायुक्त गेहूँ बीज क्रय कर सकते हैं।

जिला आपदा प्रबंधन, आईजीआरएस एवं जनगणना सहित अन्य कार्यालयों के बदले गए स्थान

अमरजीत शर्मा, कुशीनगर केसरी, प्रतापगढ़। कलेक्ट्रेट एवं विकास भवन परिसर में स्थित विभिन्न प्रशासनिक नियंत्रण कक्षों एवं कार्यालयों के संचालन को अधिक सुगम, जनोपयोगी और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने विभिन्न कार्यालयों के स्थानान्तरण (शिफ्टिंग) के आदेश जारी किए हैं। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित जिला आपदा प्रबंधन कक्ष (डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट रूम), आईजीआरएस कक्ष तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) एवं ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (ईडीएम) के कार्यालय को विकास भवन में अवस्थित कंट्रोल रूम में स्थानान्तरित किया जाएगा।

इसी प्रकार वर्तमान में संचालित नागरिक सुरक्षा कार्यालय (सिविल डिफेन्स आफिस) को विकास भवन में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (सीवीओ) के कंट्रोल रूम में स्थानान्तरित (शिफ्ट) किया जाएगा। वहीं वर्तमान जनगणना कार्यालय को विकास भवन के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) के जनसुनवाई कक्ष में स्थानान्तरित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त पंचस्थानी चुनाव कार्यालय को कलेक्ट्रेट परिसर में खाली पड़े पुराने आईजीआरएस कक्ष में स्थापित किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे तत्काल अपने–अपने कार्यालयों को निर्धारित नवीन स्थलों पर पूर्ण रूप से स्थानान्तरित करना सुनिश्चित करें।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल पैकेट पद्धति से ई–निविदा प्रणाली द्वारा खिलकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 07.12.2026 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगें, यदि कोई मैनुअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा फार्म का मूल्य जमा नहीं करना है तथा निविदाकर्ता को धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि द्वारा करेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद एवं एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

निविदा सूचना संख्या	01172026 दिनांक 13.11.2026		
कार्य का नाम	वरि0 मण्डल अभियन्ता–तृतीय/उ0ने0/लखा के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियन्ता–वाराणसी के अधीन प्लू तथा ट्रेन प्रबन्धक लॉबी के विस्तार तथा सुविधाओं के उन्नयन का कार्य।		
अनुमानित लागत	Rs.44,78,497.55	धरोहर राशि	Rs. 89,600.00
कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 06 माह।		
निविदा डालने का प्रारंभ	23.11.2026		
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	07.12.2026 15:00 बजे		
वेबसाईट	www.ireps.gov.in		

नोट:– 1. तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्तावों के खुलने के बाद अतिरिक्त दस्तावेज की प्रस्तुति एवं उससे सम्बन्धित निविदा उपरान्त किसी प्रकार के पत्राचार स्वीकार नहीं किये जायेंगे। निविदादाता के निविदा उपरान्त पत्रों को भी शून्य एवं प्रभावहीन माना जायेगा। (प्रधान कार्यालय पत्रांक नयी दिल्ली का पत्र सं0 74-W/CI/Pt.XXV/WA/Loose दिनांक 07.04.2015

3973/2026

ग्राहकों की सेवा में अनुकरण के साथ



रश्मिका–विजय की आलोचना करने वालों पर भड़के करण जौहर, पूछा– तुम क्या काउंसलर हो ?

करण जौहर ने रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा का समर्थन किया है। उन्होंने लोगों पर कपल के रिश्ते को जज करने और इससे भी ज्यादा, उनके परिवारों को इस चर्चा में घसीटने के लिए जमकर खरी–खोटी सुनाई। फिल्ममेकर ने सवाल किया कि लोग क्यों मानते हैं कि उन्हें यह तय करने का हक है कि एक कपल को अपने रिश्ते में कैसा बर्ताव करना चाहिए। बता दें, रश्मिका और विजय हाल ही में कॉफी विद करण 9 में पहुंचे थे। करण ने कहा, ष्सबको अपनी राय रखने का हक है। लेकिन जब आप उन्हें यह बताना शुरू करते हैं कि उस रिश्ते में क्या करना है, तो मुझे बड़ी दिक्कत होती है। आप कौन हैं? क्या आप काउंसलर हैं? क्या आप वकील हैं? क्या आप उनके परिवार के सदस्य हैं? आप उनके परिवारों पर टिप्पणी कर रहे हैं। आप किसी भी सेलिब्रिटी पर अपनी राय रख सकते हैं। उनके परिवारों को नीचा मत दिखाओ। ष फिल्ममेकर ने याद किया कि कैसे दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह को कॉफी विद करण 8 में आने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि उस वक्त भी कपल के रिश्ते और शादी के बारे में उनकी बातें चर्चा का विषय बन गईं, और कई लोगों ने उनके इक्वेशन पर सवाल उठाए थे। करण ने रश्मिका और विजय के रिश्ते और उनकी ईमानदारी की तारीफ की और ट्रोलर्स से इस बात की तारीफ करने को कहा। यह विवाद तब शुरू हुआ जब रश्मिका और विजय कॉफी विद करण 9 में शामिल हुए थे।

एक बातचीत के दौरान, अभिनेता ने मजेदार अंदाज में खुलासा किया था कि शादी से पहले रश्मिका ने उनसे 100 बार शादी के लिए पूछा था। इसके बाद वह राजी हुए। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया था और रेड फ्लैग घोषित किया था। हालांकि, कपल ने आलोचनाओं का मुंहतोड़ जवाब दिया था।

लंबे समय तक ब्रेक के बाद एक्सरसाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

अगर आप लंबे समय तक कसरत नहीं कर रहे हैं और फिर से इसका अभ्यास शुरू करने जा रहे हैं, तो आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके लिए आपको धीरे–धीरे शुरुआत करनी चाहिए और अपनी क्षमता के अनुसार ही कसरत करनी चाहिए। इसके अलावा सही उपकरणों का उपयोग और वार्म–अप करना भी जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप आराम से कसरत कर सकते हैं।

धीरे–धीरे शुरू करें

अगर आप लंबे समय से कसरत नहीं कर रहे हैं तो एकदम से इसे शुरू करने की गलती न करें। पहले दिन केवल 5–10 मिनट की हल्की कसरत करें और धीरे–धीरे समय बढ़ाएं।

इसके लिए पहले दिन हल्की स्ट्रेचिंग करें और फिर ध ीरे–धीरे अन्य गतिविधियों को शामिल करें। इससे आपका शरीर अनुकूल हो जाएगा और आप बिना किसी समस्या के नियमित कसरत कर पाएंगे। ध्यान रखें कि शुरुआत में हल्के वजन से शुरुआत करें और धीरे–धीरे वजन बढ़ाएं।

अपनी क्षमता को समझें

कसरत करते समय अपनी क्षमता को समझना बहुत जरूरी है। अगर आप ज्यादा वजन उठाने की कोशिश करेंगे तो चोट लगने की संभावना बढ़ सकती है। इसलिए पहले हल्के वजन से शुरू करें और फिर ध ीरे–धीरे बढ़ाएं।

इसके अलावा अपनी शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही कसरत करें। इससे आप बिना किसी समस्या के नियमित कसरत कर पाएंगे और आपकी सेहत भी बेहतर होगी। हमेशा अपनी सीमाओं को समझकर ही आगे बढ़ें।

सही उपकरणों का उपयोग करें

कसरत करते समय सही उपकरणों का उपयोग करना बहुत जरूरी है। जिम जाते समय अपने साथ पानी की बोतल, तौलिया और आरामदायक कपड़े जरूर रखें।

इसके अलावा अगर आप घर पर ही कसरत कर रहे हैं तो भी सही उपकरणों का उपयोग करें जैसे कि योगा मैट, डंबल आदि। इससे आपकी कसरत और भी प्रभावी होगी और आप बिना किसी समस्या के नियमित रूप से अभ्यास कर सकेंगे। सही उपकरणों का उपयोग करने से आपकी सेहत भी बेहतर होगी।

वार्म–अप करना न भूलें

कसरत शुरू करने से पहले वार्म–अप करना बहुत जरूरी है क्योंकि यह आपके शरीर को तैयार करता है और चोट लगने की संभावना कम करता है। इसके लिए हल्की दौड़ लगाएं या कुछ मिनट तक रस्सी कूदें।

इसके अलावा स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज भी करें ताकि मांसपेशियां लचीली हों और शरीर में खून का संचार बेहतर हो सके।

वार्म–अप करने से आपका शरीर कसरत के लिए तैयार हो जाएगा और आप बिना किसी समस्या के नियमित रूप से अभ्यास कर सकेंगे।



आराम भी है जरूरी

कसरत के साथ–साथ आराम करना भी उतना ही जरूरी है जितना कि कसरत करना। अगर आप लगातार बिना आराम किए कसरत करेंगे तो इससे थकान हो सकती है और शरीर पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए हर दिन पूरी नींद लें और कभी–कभी ब्रेक लेकर शरीर को आराम करने दें। इससे आपका शरीर ताजगी महसूस करेगा और आप बेहतर तरीके से कसरत कर पाएंगे। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपनी सेहत को बढ़ा सकते हैं।

हनुमान अंश की ओटीटी रिलीज डेट कंफर्म, 27 नवंबर को सोनी लिव पर रिलीज होगी

डायरेक्टर विशाल चतुर्वेदी की फिल्म हनुमान अंश, जो संत नीम करोली बाबा के जीवन पर आधारित है, स्ट्रीमिंग पर रिलीज होने वाली है. फिल्म के राइट्स और पब्लिसिटी अरेंजमेंट को लेकर फिल्म की टीम में कथित अनबन के बीच, इस भक्ति ड्रामा का ओटीटी प्रीमियर होने जा रहा है. सोनीलिव ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, एक दिव्य शक्ति. एक असाधारण कहानी. देश को पसंद आने वाली फिल्म, अब घर आ रही है. हनुमान अंश 27 नवंबर को सोनी लिव पर आ रही है, सीताराम. स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने पहले भी फिल्म का पोस्टर शेयर किया था और साथ में कैप्शन लिखा था, सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि विश्वास, भक्ति और चमत्कारों का एक सफर जिसने अरबों दिलों को छुआ. ..साल की सबसे पसंदीदा फिल्म देखें , हनुमान अंश 27 नवंबर को सिर्फ सोनी लिव पर...प्तसीताराम. इससे पहले, स्वंभू मीडिया नेटवर्क के जरिए जारी एक बयान में, नम्रता और विशाल ने खुद को एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बताया था और कहा था कि वे फिल्म के पब्लिक रिलेशन, मार्केटिंग, अवॉर्ड और पार्टनरशिप के लिए ऑथराइज्ड रिप्रेजेंटेटिव हैं. बयान में उन लोगों के खिलाफ भी चेतावनी दी गई जो फिल्म को रिप्रेजेंट करने या इसके राइट्स को इंडिपेंडेंटली हैंडल करने का दावा करते हैं. नोट में यह भी चेतावनी दी गई थी कि कोई भी प्रोड्यूसर अकेले फिल्म से जुड़ा कोई बिजनेस अरेंजमेंट नहीं कर सकता. इसमें कहा गया कि ऐसी किसी भी डील को कंपनी या प्रोड्यूसर मान्यता नहीं देंगे. मेकर्स ने आगे कहा कि कास्ट और क्रू मेंबर्स समेत कोई भी, जो इंटरव्यू, पॉडकास्ट, प्रमोशनल इवेंट्स या दूसरे पब्लिक प्लेटफॉर्म पर पब्लिक में बोलना चाहता है या हनुमान अंश को रिप्रेजेंट करना चाहता है, उसे पहले फिल्म के ऑफिशियल कम्युनिकेशन चौनल्स से कन्फर्मेशन लेना होगा. बयान में बताया गया कि फिल्म के क्रेडिट वैसे ही रहेंगे जैसे उसके ऑफिशियल क्रेडिट में बताए गए हैं और कंपनी अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगी. लेकिन, नोट में एक डिस्क्लेमर भी था जिसमें साफ किया गया था कि फिल्म के चार प्रोड्यूसर नम्रता जी सिंह, डॉ. विशाल चतुर्वेदी, रागिनी सोना और अनुप्रिया नागर हैं. मैंने जोर देकर कहा कि राइट्स जॉइंटली रखे गए हैं और पब्लिसिटी, अवॉर्ड्स, पार्टनरशिप और इंडिया और ओवरसीज में राइट्स से जुड़े फैसलों के लिए प्रोडक्शन एग्रीमेंट के तहत चारों प्रोड्यूसर की मंजूरी जरूरी है. फिल्म में लक्ष्मीनारायण नाम के एक छोटे लड़के की कहानी दिखाई गई है।

दुलकर सलमान की फिल्म आकाशमलो ओका तारा का टीजर जारी, 20 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में होगी प्रदर्शित

दक्षिण भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता दुलकर सलमान अपनी नई फिल्म श्आकाशमलो ओका ताराश्य के साथ तेलुगु सिनेमा में वापसी करने जा रहे हैं। पवन सादिनेनी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टीजर जारी कर दिया गया है, जिसमें सपनों, प्यार, उम्मीद और दृढ़ संकल्प से भरी एक भावुक कहानी की झलक देखने को मिलती है। फिल्म में दुलकर सलमान कृष्णा के किरदार में नजर आएंगे, जबकि नई अभिनेत्री सात्विका वीरवल्ली कल्पना की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म 20 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म के टीजर में कृष्णा और कल्पना के रिश्ते तथा उनके जीवन के संघर्षों को दिखाया गया है। कल्पना पारिवारिक चुनौतियों और मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद अंतरिक्ष यात्री बनने का सपना देखती है। वहीं, कृष्णा उसके सपनों को पूरा करने में उसका साथ देता है। दोनों की यह यात्रा प्यार, उम्मीद, त्याग और आपसी विश्वास की भावनाओं से जुड़ी हुई है। टीजर से संकेत मिलता है कि फिल्म केवल एक प्रेम कहानी नहीं, बल्कि अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए संघर्ष करने और अपनों के सहयोग की अहमियत को भी दर्शाएगी। इस फिल्म के जरिए सात्विका वीरवल्ली मुख्य अभिनेत्री के रूप में अपने अभिनय जीवन की शुरुआत कर रही हैं। दुलकर सलमान के साथ उनकी जोड़ी पहली बार पर्दे पर दिखाई देगी। इनके अलावा अभिनेत्री श्रुति हासन, मुरली शर्मा और स्वासिका भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीजर में दुलकर सलमान की प्रभावशाली मौजूदगी कहानी को भावनात्मक गहराई देती है। वहीं, संगीतकार जी.वी. प्रकाश कुमार का संगीत फिल्म के भावनात्मक पक्ष को और प्रभावशाली बनाने में अहम भूमिका निभाता है।

घर के रखरखाव से जुड़े ये कार्य न करें नजरअंदाज, हो सकती हैं समस्याएं

घर की देखभाल करना एक जरूरी कार्य है, जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अक्सर लोग छोटे–मोटे कामों को टाल देते हैं और यह आदत भविष्य में बड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है। इस लेख में हम कुछ ऐसे कार्यों के बारे में बात करेंगे, जिन्हें नियमित रूप से करना चाहिए ताकि आपके घर में कोई बड़ी दिक्कत न हो और आपका घर हमेशा सुरक्षित और आरामदायक बना रहे।

लीकिंग नलियों की समस्या को न करें नजरअंदाज

अगर आपके घर में कहीं नली से पानी टपक रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें। लीकिंग नलियां पानी की बर्बादी का कारण बनती हैं और इससे पानी का बिल भी बढ़ सकता है।

इसके अलावा लीक से दीवारों में नमी आ सकती है, जो लंबे समय में नुकसान पहुंचा सकती है।

इसके लिए आप एक प्लंबर को बुलाकर समस्या का समाध ान करवा सकते हैं और अपने घर को सुरक्षित रख सकते हैं।

छत पर ध्यान दें

छत पर समय–समय पर ध यान देना बहुत जरूरी है। अगर आपकी छत में दरारें या छेद हो गए हैं तो उन्हें तुरंत ठीक करवाएं।

इन दरारों से बारिश का पानी अंदर आ सकता है, जिससे घर में नमी और फंगस हो सकता है।



इसके अलावा छत की सफाई भी करें ताकि किसी भी प्रकार की समस्या से बचा जा सके। नियमित देखभाल से आपकी छत लंबे समय तक सही बनी रहेगी।

बिजली के तारों की जांच करें

बिजली के तारों की जांच करना भी जरूरी है। अगर आपके घर में पुराने या ढीले तार लगे हुए हैं तो उन्हें ठीक करवाएं। ढीले तारों से शॉर्ट सर्किट हो सकता है, जिससे आग लगने का खतरा बढ़ जाता है।

इसके अलावा इनसे करंट आने का भी खतरा रहता है। इसलिए समय–समय पर इनकी जांच और मरम्मत करवाते रहें।

नए तारों का उपयोग करें और पुराने तारों को बदलें ताकि घर में कोई भी बिजली से संबंधि ात समस्या न हो।

दरवाजों और खिड़कियों की फिटिंग देखें

दरवाजों और खिड़कियों की फिटिंग भी बहुत जरूरी होती है। अगर कोई दरवाजा या खिड़की ढीली हो गई हो तो उसे ठीक करवाएं ताकि हवा और धूल अंदर न आ सके। इसके अलावा इससे आपकी सुरक्षा भी बढ़ती है और घर का माहौल साफ–सुथरा बना रहता है।

नियमित रूप से इनकी जांच करते रहें और जरूरत पड़ने पर इन्हें बदलें या मरम्मत करवाएं ताकि आपके घर में कोई भी समस्या न हो।

पाइपलाइन सिस्टम पर ध यान दें

पाइपलाइन सिस्टम पर ध यान देना भी जरूरी है। अगर पाइपलाइन में कोई समस्या हो तो उसे तुरंत ठीक करवाएं। गलत पाइपलाइन से पानी की बर्बादी होती है और इससे घर में नमी भी आ सकती है।

इसके अलावा इससे फंगस होने का खतरा बढ़ जाता है।

नियमित रूप से पाइपलाइन की सफाई करें और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत विशेषज्ञ को बुलाकर मरम्मत करवाएं ताकि आपके घर में कोई भी समस्या न हो।

प्रियंका चोपड़ा के पति निक जोनास ने तमिल गाने पर किया जबरदस्त डांस

प्रियंका चोपड़ा के विदेश पति निक जोनास का कॉन्सर्ट से पहले किसी बॉलीवुड गाने पर झूमना कोई नई बात नहीं है। अक्सर वो स्टेज पर उतरने से पहले हिंदी गानों से माहौल जमाते नजर आते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने एक कदम आगे बढ़ाकर अपने भारतीय फैंस को सरप्राइज दिया है। निक अपने भाइयों जो और केविन जोनस के साथ मशहूर युवा संगीतकार साई अभ्यंकर के वायरल तमिल इंडी हिट गाने राधि ामा पर धमाकेदार डांस करते नजर आए। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक प्यारे वीडियो में निक अपने भाइयों के साथ राधिमा गाने पर जबरदस्त डांस करते नजर आ रहे हैं। इस क्लिप के जरिए यूं तो उन्होंने फैंस को दिवाली की शुभकामनाएं दीं, लेकिन उनके गाने के चुनाव ने हर किसी का दिल जीत लिया। तमिल गाने के कंपोजर साई अभ्यंकर भी निक का डांस देखकर खुश हो गए। उन्होंने निक के पोस्ट पर लाल दिल वाला इमोजी शेयर करते हुए प्यार से भाई लिखा। बता दें कि प्रियंका चोपड़ा से शादी के बाद निक को भारत में नेशनल जीजू कहा जाने लगा था और अब फैंस ने उन्हें एक नया प्यार भरा नाम दिया है। गाने के बोल तंगामान पय्यन का मतलब गोल्ड बॉय है। फैंस ने इस नाम को निक से जोड़ दिया है।



डब्ल्यूटीए फाइनल्स: मीरा एंड्रीवा ने सबालेंका को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई

इंडियन वेल्स, एजेंसी। मीरा एंड्रीवा ने दिग्गज एरिना सबालेंका को हराकर पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। 62 मिनट तक चले मुकाबले में एंड्रीवा ने सबालेंका को 6–4, 6–0 से हराया। एंड्रीवा ने आखिरी 11 गेम जीते और आखिरी 55 में से 45 पॉइंट हासिल किए और 2009 में कैरोलिन वोज्नियाकी के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। वह 2003 में मौजूदा राउंड–रॉबिन फॉर्मेट शुरू होने के बाद से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पांचवीं टीनएजर हैं, इससे पहले मारिया शारापोवा, एना इवानोविच, वोज्नियाकी और कोको गॉफ भी सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। इस जीत ने एक और मील का पत्थर भी बनाया। अपने शुरुआती राउंड–रॉबिन मैच में एलिना स्वितोलिना को 6–4, 6–0 से हराने के बाद,



एंड्रीवा टूर्नामेंट के इतिहास में पहली ऐसी खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने अपने पहले दो डब्ल्यूटीए फाइनल्स मैचों में से हर एक में 6–0 का सेट जीता। 2026 में एक टॉप 10 जीत के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल्स में एंट्री करने के बाद, एंड्रीवा ने इस सप्ताह दो और जीत हासिल की हैं। वह कैरोलिन मुचोवा के खिलाफ तीसरी जीत की कोशिश करेंगी, जिनसे वह डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर 1–0 से आगे हैं। एंड्रीवा ने 2025 में दुबई और इंडियन वेल्स के बाद, अपने करियर में तीसरी बार एक ही इवेंट में कई टॉप 10 जीत हासिल की हैं। उन्होंने दोनों टूर्नामेंट में टाइटल जीता था। हार के बावजूद, सबालेंका सेमीफाइनल की रेस में बनी हुई हैं। वह और स्वितोलिना शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल स्पॉट के लिए खेलेंगी, जब स्वितोलिना ने बुधवार को एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मुचोवा को हराया था। इस बीच, एलिना स्वितोलिना ने कैरोलिना मुचोवा को 3–6, 6–2, 6–2 से हराया और शुक्रवार को सबालेंका के खिलाफ ग्रुप स्टेज के फाइनल में सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका मिलेगा। स्वितोलिना ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपनी 11वीं जीत हासिल की है और 2019 के बाद यह उनकी पहली जीत है। वह तीन सेट के मैचों में डब्ल्यूटीए फाइनल्स में भी 6–1 से आगे हैं। हालांकि, एंड्रीवा की जीत के कारण मुचोवा इस कॉम्पिटिशन में 0–2 से हार गईं और सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गईं।

भारतीय शेयर बाजार की सपाट शुरुआत

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में सपाट खुला। सुबह 9रू16 पर सेंसेक्स 126 अंक या 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 82,003 और निफ्टी 31 अंक या 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,286 पर था। शुरुआती कारोबार में लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक खरीदारी देखी जा रही थी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 295 अंक या 0.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 61,821 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 209 अंक या 1.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,699. 05 पर था। सूचकांकों में निफ्टी मीडिया, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी पीएसयू बैंक गेनर्स थे।

वर्ल्ड टेनिस लीग सीजन 5 का आयोजन 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में होगा

बेंगलुरु, एजेंसी। वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) का सीजन पांच, 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में होगा। यह टूर्नामेंट केएसएलटीए, एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें भारत के टॉप खिलाड़ियों के साथ–साथ जाने–माने इंटरनेशनल स्टार्स भी हिस्सा लेंगे। सीजन 5 में एक बार फिर जाने–माने इंटरनेशनल स्टार्स और उभरते हुए टैलेंट का रोमांचक मिश्रण होगा। पिछले सीजन के कई खिलाड़ी जो वापस लौटे हैं, उनमें पाउला बडोसा, युकी भांबरी, सुमित नागल, दक्षिणेश्वर सुरेश, माया राजेश्वरन रेवती और श्रीवल्ली भामिदिपति शामिल हैं, जो आने वाले एडिशन के लिए डब्ल्यूटीएल कोर्ट पर वापस आएंगे। वर्ल्ड टेनिस लीग के को–फाउंडर महेश भूपति ने कहा, पिछला सीजन वर्ल्ड टेनिस लीग के लिए एक रोमांचक चौप्टर था, जिसमें इंटरनेशनल टैलेंट और भारतीय खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण एक साथ आकर कुछ यादगार टेनिस पेश कर रहा था। फैन्स से मिले रिस्पॉन्स और कॉम्पिटिशन के आस–पास की ऊर्जा ने एक खास ग्लोबल टेनिस प्रॉपर्टी बनाने के हमारे विजन को और मजबूत किया। जैसे–जैसे हम सीजन 5 में आगे बढ़ रहे हैं, हम उस मोमेंटम को बनाए रखना चाहते हैं। लीग को नए दर्शकों तक ले जाना चाहते हैं और हर एडिशन के साथ इसका स्तर और बढ़ाना चाहते हैं। वर्ल्ड टेनिस लीग की को–फाउंडर हेमाली शर्मा ने कहा, हम वर्ल्ड टेनिस लीग को बेंगलुरु में वापस लाकर बहुत खुश हैं। शहर में एक मजबूत स्पोर्टिंग कल्चर और टेनिस के शौकीन दर्शक हैं।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और उनकी पत्नी के बीच बहस की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कमिंस का ये वीडियो उस्मान ख्वाजा के बॉल–टैम्परिंग विवाद पर उनके प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की घोषणा की चर्चा के बीच वायरल है। वीडियो में वह अपनी पत्नी बेकी के साथ बात करते हुए नजर आ रहे हैं। द ऑस्ट्रेलियन द्वारा बुधवार को प्रकाशिक वीडियो फुटेज के मुताबिक, कमिंस और बेकी को पास की एक प्रॉपर्टी में जाने से पहले बातचीत करते हुए देखा गया। टी–शर्ट और शॉर्ट्स पहने, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान इस बातचीत के दौरान काफी शांत दिखे। वहीं, उनकी पत्नी गुस्सैल अंदाज में नजर आ रही थीं। हालांकि, दोनों के बीच क्या बातचीत हो रही थी, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। उस्मान ख्वाजा की हाल में प्रकाशित



किताब सब्र में बॉल–टैम्परिंग विवाद पर किए गए उनके दावों पर कमिंस प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं। इसकी घोषणा कमिंस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की है। कमिंस ने एक्स पर लिखा, मैं कल सुबह क्रिकेट सेंट्रल में ट्रेनिंग कर रहा हूं, इससे पहले कि ब्लूज शील्ड मैच खेलें। इस सप्ताह की घटनाओं के बारे में सुबह 9.30 बजे किसी भी और सभी मीडिया से बात करके खुशी होगी। मैंने उस्मान के आरोपों की लंबी सूची और पूरे विषय को बेहतर ढंग से समझने के लिए कुछ समय लिया है ताकि मैं ठीक से जवाब दे सकूं। उन्होंने लिखा, इसके बाद कृपया रुकें और ब्लूज को सपोर्ट करें।

मदर डेयरी ने बढ़ाई दूध की कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की प्रमुख डेयरी कंपनी मदर डेयरी ने अपने विभिन्न तरल दुग्ध (लिक्विड मिल्क) उत्पादों की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। नई कीमतें 12 नवंबर 2026 से लागू होंगी। वहीं, अमूल ने भी दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि देश के कई हिस्सों में असमान मानसून के कारण हरे और सूखे चारे की उपलब्धता प्रभावित हुई है, जिससे पशुपालकों की लागत बढ़ गई है। इसके अलावा, पशु आहार, पैकेजिंग, परिवहन और अन्य परिचालन खर्चों में वृद्धि के चलते यह फैसला लिया गया है। मदर डेयरी के अनुसार, पिछले एक वर्ष में हरे और सूखे चारे की कीमतों में करीब 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है, जबकि पशु आहार की लागत लगभग 10 प्रतिशत बढ़ी है।

सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ टॉस जीत अफगानिस्तान ने चुनी बल्लेबाजी

अल अमरात, एजेंसी। एसीसी पुरुष अंडर–19 एशिया कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच अल अमरात क्रिकेट ग्राउंड (मिनिस्ट्री टर्फ 2) में खेला जा रहा है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया है। अफगानिस्तान का टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन रहा है। ग्रुप बी लगातार तीन जीत के साथ शीर्ष पर रहते हुए अफगानिस्तान ने सेमीफाइनल में जगह बनाई है। अफगानिस्तान ने पहले मैच में बांग्लादेश को 113 रन से, दूसरे मैच में मलेशिया को 10 विकेट से और तीसरे मैच में श्रीलंका को 106 रन से हराया था। बात अगर भारतीय टीम की करें तो ग्रुप ए में मौजूद टीम इंडिया 3 मैचों में 2 जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंची है। भारतीय टीम को पाकिस्तान के



खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, जबकि नेपाल के खिलाफ 10 विकेट और यूएई के खिलाफ 70 रन से टीम इंडिया विजयी रही थी। अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल रोमांचक होने वाला है। इस मैच में भारतीय टीम की तरफ से आर्यवीर सहवाग और अर्जुन राजपूत पर निगाहें होंगी। अर्जुन राजपूत ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में शतक लगाया था। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अर्जुन ने 85 गेंदों पर 107 रन की पारी खेली थी। वहीं, सलामी बल्लेबाज आर्यवीर सहवाग ने यूएई के खिलाफ हुए मैच में शतक लगाया था और 168 गेंदों पर 160 रन की पारी खेली थी। भारत और अफगानिस्तान युवा वनडे में 13 बार एक–दूसरे से भिड़े हैं। भारत ने 11 मैच जीते हैं, जबकि अफगानिस्तान को 2 मैचों में सफलता मिली है। दोनों टीमें आखिरी बार इस साल की शुरुआत में अंडर–19 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में मिली थीं, जहां भारत ने 310 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए 7 विकेट से जीत हासिल की थी। भारत की प्लेइंग इलेवनरू लक्ष्य राजेश रायचंदानी (कप्तान), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, अर्जुन राजपूत, यशबर्धन चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), मनाल चौहान, मोहित उल्वा, आर्यन सवसानी, काव्या पटेल, ईशान सूद।

किआ इंडिया आंध्र प्रदेश में 2 अरब डॉलर करेगी निवेश

विशाखापत्तनम, एजेंसी। किआ इंडिया 2 अरब डॉलर के निवेश से आंध्र प्रदेश में नया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करेगी। इससे देश में करीब 12,000 नई नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। यह बयान गुरुवार को किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्वांगगु ली ने दिया। यहां सीआईआई पार्टनरशिप समिट में बोलते हुए, ली ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आंध्र प्रदेश में एक और मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाकर किआ अपनी मौजूदगी का विस्तार कर रही है। इस प्रोजेक्ट से करीब 12,000 नई नौकरियों के पैदा होने की उम्मीद है। साथ ही, इससे भारत में किआ इंडिया की सालाना उत्पादन क्षमता बढ़कर 6,30,000 यूनिट्स हो जाएगी। किया इंडिया के पास राज्य के अनंतपुर में पहले से ही एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है, जिसे 2017 में स्थापित किया गया था। इसकी सालाना मैन्युफैक्चरिंग क्षमता 4.30 लाख यूनिट्स है। हालांकि, ली ने इस निवेश के लिए कोई समय–सीमा नहीं बताई और न ही यह स्पष्ट किया कि अतिरिक्त क्षमता पर कब से काम शुरू होगा। वित्त वर्ष 2026 में, किआ इंडिया ने 3.17 लाख यूनिट्स का उत्पादन किया, जिसमें से 2.89 लाख यूनिट्स घरेलू बाजार में भेजे गए और 27,953 यूनिट्स का निर्यात किया गया। यह घोषणा भारत में किआ के मैन्युफैक्चरिंग विस्तार को दर्शाती है और देश के ऑटोमोबाइल इकोसिस्टम में आंध्र प्रदेश के बढ़ते महत्व को भी दिखाती है।

अदाणी ग्रुप की कच्छ कॉपर ने चिली के प्रमुख तांबा क्षेत्रा में खोज के लिए कोडेल्को के साथ साझेदारी की

अहमदाबाद, एजेंसी। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी कच्छ कॉपर लिमिटेड (केसीएल) और चिली की कोडेल्को ने गुरुवार को उत्तरी चिली के एंटोफगास्टा क्षेत्र के कैलामा कॉपर बेल्ट में स्थित कबुरकाला परियोजना में रणनीतिक अन्वेषण साझेदारी का ऐलान किया। दोनों कंपनियों के बीच यह साझेदारी महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में भारत और चिली के बीच सहयोग को मजबूत करेगा। यह साझेदारी ऐसे समय में हुई है, जब दोनों देशों के लिए संसाधनों की सुरक्षा एक रणनीतिक प्राथमिकता बन गई है। अदाणी ग्रुप के लिए यह प्रस्तावित साझेदारी वैश्विक स्तर पर विविधीकृत और एकीकृत तांबा मूल्य श्रृंखला विकसित करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। इसके तहत चिली में तांबे के खनिज संसाधनों को भारत के मुंद्रा स्थित तांबा स्मेल्टर परिसर



से जोड़ा जाएगा। इससे ऐसे खनिज की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी, जो विद्युतीकरण और वैश्विक ऊर्जा बदलाव के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। केसीएल के निदेशक जीत अदाणी ने कहा, तांबे जैसे महत्वपूर्ण संसाधन हमारे भविष्य के बदलाव के केंद्र में हैं। हम इस रणनीतिक साझेदारी को सिर्फ खनन परिसंपत्ति के रूप में नहीं, बल्कि भारत के भविष्य में दीर्घकालिक निवेश के रूप में देखते हैं। वैश्विक तांबा संसाधनों तक मजबूत पहुंच सुनिश्चित करके हम उन महत्वपूर्ण उद्योगों के लिए आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत कर रहे हैं, जो देश की विकास यात्रा को गति दे रहे हैं। इनमें नवीकरणीय ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण, बुनियादी ढांचा और प्रौद्योगिकी क्षेत्र शामिल हैं। जीत अदाणी ने आगे कहा, यह साझेदारी भारत की संसाधन सुरक्षा बढ़ाने और वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की उसकी यात्रा को समर्थन देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वहीं, कोडेल्को के लिए यह पहल सार्वजनिक–निजी भागीदारी के माध्यम से अपने अन्वेषण पोर्टफोलियो से मूल्य सृजित करने की रणनीति का हिस्सा है। इसके तहत जोखिम साझा करते हुए विकास की क्षमता रखने वाली तांबा परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। कोडेल्को के बोर्ड के अध्यक्ष बर्नार्डो फॉन्टेन ने कहा, यह समझौता ज्ञापन पिछले एक साल के दौरान अदाणी समूह के साथ किए गए हमारे काम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रक्रिया वैश्विक स्तर के साझेदारों को आकर्षित करने और अपने अन्वेषण पोर्टफोलियो से मूल्य सृजित करने की कोडेल्को की क्षमता को दर्शाती है। साथ ही, यह कंपनी और चिली सरकार के दीर्घकालिक हितों की रक्षा भी करती है। इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हाल ही में लंदन में आयोजित श्एलएमई वीक 2026श के दौरान जीत अदाणी, अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज के सीईओ डॉ. विनय प्रकाश और बर्नार्डो फॉन्टेन की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। प्रस्तावित साझेदारी के तहत अदाणी समूह पूंजी, प्रौद्योगिकी आधारित अन्वेषण और बड़े पैमाने पर परियोजनाओं को क्रियान्वित करने की क्षमता उपलब्ध कराएगा।

आरबीआई के रेपो रेट में बढ़ोतरी का दिखने लगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से बीते महीने रेपो रेट में 25 आधार अंक की वृद्धि करने के बाद, देश के निजी और सरकारी बैंकों ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट्स (एमसीएलआर) को बढ़ाना शुरू कर दिया है। इसमें एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, पीएनबी, बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ कई बैंकों का नाम शामिल है। एमसीएलआर, यह वह न्यूनतम ब्याज दर है, जिसके नीचे कोई भी बैंक अपने ग्राहकों को लोन नहीं दे सकता है। इसमें बढ़ोतरी से लोन लेने महंगा हो जाता है। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सबसे पहले एमसीएलआर में इजाफा किया। बैंक ने 3 महीने, 6 महीने, एक साल, 2 साल और 3 साल के लिए एमसीएलआर में 15 आधार अंक की वृद्धि की थी।

भारत के रिन्यूएबल एनर्जी अभियान से हुई 100 अरब डॉलर की बचत

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत के रिन्यूएबल एनर्जी अभियान ने देश को ईंधन आयात में 100 अरब डॉलर से ज्यादा की बचत कराई है। यह रकम भारतीय रुपये में करीब 9.4 लाख करोड़ रुपए होती है। यह जानकारी इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) की इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी मार्केट रिपोर्ट 2026 में सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, रिन्यूएबल बिजली की मदद से भारत ने 2011 से 2025 के बीच कोयले और प्राकृतिक गैस के आयात पर 100 अरब डॉलर से ज्यादा की लागत बचाई। ये निष्कर्ष केंद्र सरकार के तहत तेज हुए रिन्यूएबल एनर्जी अभियान के आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा लाभों को दिखाते हैं। मार्च 2014 से सितंबर 2026 के बीच भारत ने 168 गीगावाट सौर क्षमता और 38 गीगावाट पवन क्षमता जोड़ी है। बायोएनर्जी सितंबर 2026 तक लगभग 12 गीगावाट की स्थापित क्षमता तक पहुंच गई है। आईईए का अनुमान है कि 2010 के बाद



से जोड़ी गई सौर, पवन और बायोएनर्जी क्षमता के बिना, भारत को अकेले 2025 में करीब 11 करोड़ टन (110 मिलियन टन) ज्यादा आयातित कोयले की जरूरत पड़ती। 2030 तक बचत दोगुनी से भी ज्यादा हो सकती है। संचयी कोयला और गैस आयात बचत करीब 240 अरब डॉलर, यानी लगभग 22.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। यह अनुमान इस आधार पर है कि अंतरराष्ट्रीय ईंधन की कीमतें मोटे तौर पर 2024–25 के औसत स्तर पर बनी रहेंगी। आईईए का अनुमान है कि 2030 तक सालाना बचत करीब 35 अरब डॉलर, यानी लगभग 3.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। यह रकम वित्त वर्ष 2024–25 में भारत के गैस–कोकिंग कोयले और प्राकृतिक गैस के आयात पर हुए पूरे खर्च से भी ज्यादा है। भारत की रिन्यूएबल बिजली क्षमता पिछले एक दशक में लगभग चार गुना हो गई है और 2026 में 300.38 गीगावाट को पार कर गई है। आईईए अब भारत को दुनिया के दूसरे सबसे तेजी से बढ़ते रिन्यूएबल एनर्जी बाजार और सौर पैनलों के दूसरे सबसे बड़े निर्माता के रूप में पहचानता है। भारत ने 2025 में अपनी स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैस–जीवाश्म स्रोतों से हासिल कर लिया, जो 2030 के लक्ष्य को पांच साल पहले ही पूरा करना है। रिपोर्ट इस प्रगति का श्रेय निरंतर नीतिगत समर्थन, महत्वाकांक्षी लक्ष्यों और दीर्घकालिक योजना को देती है।

भारत का रूस से तेल आयात अक्टूबर में रिकॉर्ड 640 करोड़ यूरो पर

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अक्टूबर में रूस से रिकॉर्ड 640 करोड़ यूरो के ईंधन की खरीद की है। कच्चे तेल के आयात में तेज वृद्धि इसकी प्रमुख वजह रही। इससे पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद रूस का जीवाश्म ईंधन निर्यात से राजस्व दिसंबर, 2022 के बाद के सबसे ऊंचे मासिक स्तर पर पहुंच गया। ऊर्जा एवं स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र (सीआरईए) के मासिक विश्लेषण के अनुसार, भारत अक्टूबर, 2026 में रूस के जीवाश्म ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा। उसने कुल 640 करोड़ यूरो के रूसी हाइड्रोकार्बन का आयात किया, जो जनवरी, 2022 से उपलब्ध आंकड़ों में उसका सबसे ऊंचा मासिक आंकड़ा है।

भारत ने एथनॉल की बढ़ती मांग को देखते हुए अपनी उत्पादन क्षमता भी बढ़ाई : डब्ल्यूईएफ

नयी दिल्ली, एजेंसी। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने कहा कि भारत में जैव–अर्थव्यवस्था के विस्तार के लिए मांग एवं उत्पादन क्षमता दोनों को साथ–साथ बढ़ाया गया है और पेट्रोल में एथनॉल मिलाने का कार्यक्रम इसका प्रमुख उदाहरण है। डब्ल्यूईएफ ने कैपजेमिनी इन्वेंट के सहयोग से तैयार अपनी जैव–अर्थव्यवस्था नीति सूचकांक रिपोर्ट में कहा कि भारत में जैव–अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई नीतियों में अनुकूल माहौल तैयार करने, शोध एवं विकास तथा संस्थागत क्षमता मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। इस रिपोर्ट में जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, अमेरिका, भारत, चीन और ब्राजील में जैव–अर्थव्यवस्था से जुड़ी 935 नीतिगत पहल का विश्लेषण किया गया है। इसे जैव प्रौद्योगिकी से जुड़ी अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार (बायोई3) नीति जैसी लक्षित राष्ट्रीय पहल से समर्थन मिल रहा है। डब्ल्यूईएफ ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत में 48 प्रतिशत नीतिगत पहल किसी खास क्षेत्र के बजाय शोध एवं विकास, कर प्रोत्साहन और संस्थागत क्षमता जैसे अनुकूल माहौल तैयार करने वाले उपायों पर केंद्रित हैं।

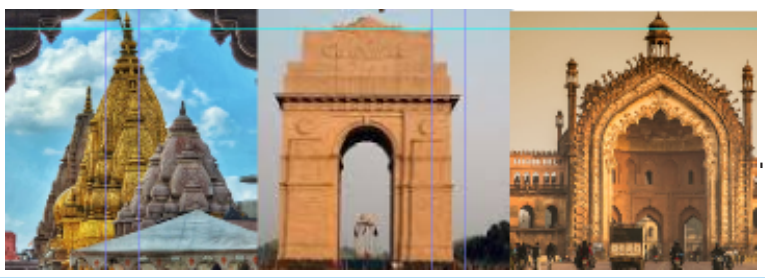
प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई.रूUPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे
कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट् के अन्तर्गत उत्तरदायी

लोक हस्तक्षेप



टेक्सटाइल सिटी पानीपत में हड़ताल पर रहे उद्यमी

उद्योगपतियों ने उपायुक्त को 7 मांगें बताईं।

उन्होंने मांग की कि ओसीईएमएस सर्वर पर 85फीसदी डेटा उपलब्धता की शर्त घटाकर 50फीसदी की जाए। डेटा का औसत सात दिन के बजाय 30 दिन के आधार पर तय किया जाए।

अधिकृत वेंडर की तकनीकी खराबी या सर्विस में देरी से डेटा प्रभावित होने पर उद्योगों पर कार्रवाई न हो।

जिन उद्योगों ने प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के ऑर्डर दे दिए हैं, उन्हें उपकरण लगने तक समय दिया जाए। इस दौरान कोई दंडात्मक कार्रवाई न हो।

डेटा कम मिलने पर सीधे उद्योग बंद करने का आदेश न दिया जाए। पहले मौके पर जांच कर सुधार का अवसर मिले।बंद इकाइयों को दोबारा शुरू करने की प्रक्रिया आसान होरूस बंद उद्योगों को फिर से चालू कराने के नियम सरल किए जाएं। अगले पांच साल तक कोई नया निगरानी सिस्टम या उपकरण लगाना जरूरी न किया जाए।

लोक हस्तक्षेप समाचार

चंडीगढ़। हरियाणा की टेक्सटाइल सिटी पानीपत में शुक्रवार को प्रदूषण नियंत्रण संबंधी नियमों के विरोध में 12 हजार से ज्यादा फैक्ट्रियों में कामकाज ठप रहा। उद्योगपतियों ने एक दिन की हड़ताल रखी। इसके चलते करीब 1.35 लाख कर्मचारी काम पर नहीं पहुंचे। प्रदूषण नियंत्रण के नियमों और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्रवाई के विरोध में उद्योगपतियों ने संजय चौक से सचिवालय तक रोष मार्च निकाला।

रोष मार्च के दौरान सभी उद्योगपति एक–दूसरे का हाथ पकड़कर चलते दिखे। उनके साथ सैकड़ों श्रमिक भी हाथों में बैनर लेकर शामिल हुए। प्रदर्शन के कारण जीटी रोड पर जाम लग गया। संजय चौक पर हुई सभा में उद्योगपतियों ने कहा कि वे प्रदूषण नियंत्रण के नियमों के खिलाफ नहीं हैं। उनकी आपत्ति नियमों को लागू करने के तरीके और इससे जुड़ी तकनीकी दिक्कतों को लेकर है।उद्योगपतियों ने बताया कि एक दिन की हड़ताल से करीब 200 करोड़ रुपए के कारोबार पर असर पड़ने का अनुमान है। सचिवालय में प्रदर्शन के बाद उन्होंने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही एक दिन की सांकेतिक हड़ताल खत्म कर दी गई और उद्योगपति वापस लौट गए। नई व्यवस्था के अनुसार उद्योगों को 50 मिलीग्राम प्रति सामान्य घन मीटर तक प्रदूषण उत्सर्जन सीमित करना होगा। इसके लिए ऑनलाइन निगरानी सिस्टम और प्रदूषण रोकने वाले उपकरण लगाने होंगे। उद्योगपतियों को इन नियमों के पालन पर आपत्ति है। उद्योगपतियों का कहना है कि कई इकाइयों ने अधिकृत वेंडरों को एडवांस देकर उपकरणों का ऑर्डर दिया है, लेकिन 2–3 महीने बाद भी उपकरण नहीं लगे। उनका दावा है कि ये उपकरण बाजार के मुकाबले 30 से 40फीसदी महंगे भी हैं। पानीपत में करीब 36 हजार छोटी–बड़ी औद्योगिक इकाइयां हैं। इनमें लाखों लोग काम करते हैं। केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, जिले में 33,412 से अधिक कपड़ा और परिधान इकाइयां हैं। इस क्षेत्र से 1.5 लाख से ज्यादा लोगों का रोजगार जुड़ा है।

उद्योगपतियों ने हड़ताल से करीब 200 करोड़ रुपए का कारोबार प्रभावित होने का अनुमान जताया है। पानीपत का सालाना औद्योगिक कारोबार करीब 60 से 65 हजार करोड़ रुपए और निर्यात कारोबार 18 से 20 हजार करोड़ रुपए बताया जाता है।

डाइंग इकाइयों में काम रुकने का असर रंगाई–प्रोसेसिंग के साथ धागा, कपड़ा, कंबल, कालीन और होम फर्निशिंग से जुड़ी इकाइयों पर भी पड़ सकता है।

यात्री वैन नदी में गिरने से 11 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (च्वज़्) के गिलगित–बाल्टिस्तान इलाके में एक यात्री वैन के नदी में गिर जाने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि यह हादसा गुरुवार शाम को उस वक्त हुआ जब वैन गिलगित से घिजर जिले की यासीन घाटी जा रही थी। मोर्काह पुल के पास ड्राइवर का गाड़ी से नियंत्रण हट गया, जिससे वैन यासीन नदी में जा गिरी। बचाव दलों ने 10 यात्रियों के शव निकाले, जिनमें दो महिलाएं शामिल थीं। साथ ही तीन घायल यात्रियों को बचाया गया, जिनमें एक बच्चा भी था। उन्हें इलाज के लिए गुपिस सिविल अस्पताल ले जाया गया।

एनवीडिया के पूर्व CEO जेन्सेन पर तीसरे अफेयर का आरोप, एक और महिला कर्मी से जुड़े तार

नई दिल्ली, एजेंसी। एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सेन हुआंग के दो रिश्तों की बात सामने आने के बाद अब और खुलासा हुआ है जो उनकी मुश्किल और बढ़ा सकता है। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एनवीडिया के सह–संस्थापक का एक और कर्मचारी के साथ विवाहेत्तर संबंध रहा। रिपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार जेन्सेन का जिस तीसरी महिला के साथ अफेयर की बात सामने आ रही है वो भी एनवीडिया की ही कर्मचारी है। हालांकि उनके नाम का खुलासा नहीं हुआ है। रिपोर्ट में महिला का नाम और काम से जुड़ी जानकारी गुप्त रखी गई है। गुरुवार की रॉयटर्स की ओर से से जारी रिपोर्ट के मुताबिक एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सेन हुआंग का एनवीडिया की एक और कर्मचारी के साथ रिश्ते की बात सामने आने से कंपनी में हड़कंप मच गया है। कंपनी



पहले से ही वैश्विक तौर पर अपनी आलोचना झेल रही है। एनवीडिया के पूर्व सीईओ का इससे पहले ऐलिस हुआंग और किम्बर्ली पॉवेल के साथ संबंध की बात सामने आ चुकी है। इन दोनों के साथ रिश्तों की बात सामने आने के बाद से ही जेन्सेन की मुसीबत बढ़ गई थी। रॉयटर्स ने गुरुवार को अज्ञात सूत्रों के हवाले से बताया कि हुआंग के एक दूसरे एनवीडिया कर्मचारी के साथ ष्करीबी संबंधष् थे। रॉयटर्स ने उस दूसरे कर्मचारी का नाम नहीं बताया है। वहीं, एनवीडिया ने इन आरोपों पर कोई टिप्पणी करने से इनकार किया है।

गुरुग्राम भाजपा का संकल्प, मतदाता सूची से न छूटे एक भी पात्र नागरिक : सर्वप्रिय त्यागी

गुरुग्राम / लोक हस्तक्षेप समाचार। भाजपा हरियाणा के दिशा–निर्देशों के अनुसार जिला भाजपा कार्यालय गुरुकमल में जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी की अध्यक्षता में जिला मासिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में पिछले माह के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की गई और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय रहने और सूची से छूटे पात्र मतदाताओं की सहायता करने के निर्देश दिए गए। बैठक में संकल्प लिया गया कि गुरुग्राम में कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न



रहे। जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि स्ढढक्र के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए नामों की बूथवार गंभीरता से जाँच की जाए। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम हट गया है, तो उससे संपर्क कर नियमानुसार आवेदन की प्रक्रिया पूरी करने और सूची में नाम दोबारा जुड़वाने में सहयोग करें। गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा ने कहा कि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो, इसके लिए प्रयास करना और उसके मताधिकार की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि सूची से छूटे पात्र नागरिकों को नाम जुड़वाने में पूरा सहयोग मिले। जिला प्रभारी संदीप जोशी ने कहा कि कार्यकर्ता इस अभियान को हर बूथ तक ले जाएँ, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे। जिला मीडिया प्रभारी अजय दुआ ने बताया कि बैठक में जिला महामंत्री मनीष सैदपुर, जिला मीडिया सह प्रभारी कृतिक जैन सहित सभी जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, मोर्चा, विभागों व प्रकोष्ठों के संयोजक और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विमानन उद्योग में बदलाव के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

एजेंसी,कुआलालंपुर। एशिया पैसिफिक एयरलाइंस एसोसिएशन (एएपीए) ने शुक्रवार को कहा कि विमानन उद्योग आपूर्ति श्रृंखला में आ रही बाधाओं से परेशान है और यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि सतत बदलाव का पूरा बोझ केवल विमानन कंपनियां ही उठाएं। पश्चिम एशिया संकट के कारण विमानन कंपनियों को परिचालन और वित्तीय चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। इस संकट से ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं और हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल पर भी पाबंदियां लगी हैं। एएपीए के महानिदेशक वोंग होंग ने कहा, संघर्ष, तेल की आपूर्ति में बाधाएं, वैश्विक व्यापार तनाव और तेजी से बदलती नीतियां हवाई क्षेत्र तक पहुंच, हवाई यातायात के प्रवाह, ईंधन बाजारों और यहां तक कि विमानन कंपनियों के पूरे नेटवर्क के अर्थशास्त्र को बदल रही हैं। संगठन के अध्यक्षों की 70वीं सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आपूर्ति श्रृंखला में आ रही बाधाएं हमारी सुधार और वृद्धि की महत्वाकांक्षाओं के रास्ते में लगातार परेशानी पैदा कर रही हैं। वोंग ने कहा,विमानों की आपूर्ति सीमित बनी हुई है। इंजन की उपलब्धता और रखरखाव में आ रही अड़चनें विमानों के बेड़े के इस्तेमाल को प्रभावित कर रही हैं। वहीं, आपूर्ति में लंबे समय तक हो रही देरी से क्षमता की योजना बनाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। आपूर्ति श्रृंखला की समस्याओं के कारण विमानों के लंबित ऑर्डर की संख्या 16,000 से अधिक होने का अनुमान है। विमानों की आपूर्ति में लंबा समय लगने से विमानन कंपनियों के अधिक ईंधन दक्षता वाले विमानों को बेड़े में शामिल करने के प्रयासों में भी देरी हो रही है। वोंग ने विमानन उद्योग के कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की योजना पर कहा, हम सभी विमानन क्षेत्र के कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की तात्कालिकता को समझते हैं। हकीकत यह है कि यह बदलाव अब भी कठिन, महंगा और असमान है। उन्होंने साथ ही कहा कि सतत बदलाव का पूरा बोझ केवल विमानन कंपनियों पर नहीं डाला जा सकता।



21 YEARS OF FEARLESS
JOURNALISM DEFINING
THE POWER OF TRUTH.
लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली